PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक
भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जब समाज में सुविधा पाने के लिए लोग सच से ज्यादा 'प्रमाणपत्र' पर भरोसा करने लगें, तो समझ लेना चाहिए कि समस्या गरीबी नहीं, बल्कि सोच की

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-134 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 8 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'गरीबी का कारोबार: जब अमीरी ने ओढ़ लिया अभाव का कंबल '

कभी कहा जाता था कि इस देश की सबसे बड़ी चुनौती गरीबी है, लेकिन अब लगता है कि असली चुनौती गरीबी नहीं, बल्कि गरीब बनने की होड़ है। हालात ऐसे हो गए हैं कि जिसे देखो वही अपने आपको 'आर्थिक रूप से कमजोर' सिद्ध करने की जुगत में लगा है। विडंबना देखिए–जिस गरीबी से लोग कभी भागते थे, आज उसी को खरीदने के लिए जेब ढीली कर रहे हैं। 5 से 15 हजार रुपये खर्च कर 'बीपीएल' बनने का यह नया ट्रेंड केवल एक प्रशासनिक गड़बड़ी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता के गहरे पतन का आईना है। अब गरीबी कोई मजबूरी नहीं रही, बल्कि एक सुनहरा अवसर बन चुकी है–सरकारी योजनाओं का टिकट, सस्ती सुविधाओं का पासपोर्ट और बिना मेहनत के लाभ उठाने का लाइसेंस। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। यह दृश्य किसी व्यंग्य रचना का हिस्सा लगता, अगर यह हकीकत न होता। जिन लोगों के पास पक्के मकान हैं, गाड़ियां हैं, स्थायी आय के स्रोत हैं, वे भी खुद को गरीब साबित करने के लिए पूरी ऊर्जा लगा रहे हैं। मानो 'गरीब' होना आज का सबसे बड़ा सामाजिक सम्मान बन गया हो। असली गरीब, जो दिन-रात संघर्ष करता है, वह आज भी सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहा है, जबकि तथाकथित 'संपन्न गरीब' आराम से योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। यह एक ऐसी उल्टी गंगा है, जिसमें ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर संसाधनों का प्रवाह हो रहा है–गरीब के हिस्से का हक अमीर की झोली में जा रहा है।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस पूरे खेल को लोग गलत भी नहीं मानते। तर्क दिया जाता है– 'सरकार दे रही है, तो लेने में क्या बुराई है?' यही सोच इस बीमारी की जड़ है। जब नैतिकता की जगह अवसरवाद ले लेता है, तो फिर समाज केवल कानून से नहीं, बल्कि चालाकियों से चलने लगता है। अब ईमानदारी मूर्खता मानी जाती है और जुगाड़ को प्रतिभा का दर्जा मिल चुका है। यही कारण है कि आज हर व्यक्ति सिस्टम को मात देने में अपनी सफलता देखता है, भले ही इसके लिए उसे किसी जरूरतमंद का हक ही क्यों न छीनना पड़े। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। बिना उचित जांच के कार्ड बन जाना, गलत पते पर लाभ मिलना और पात्रता की अनदेखी–ये सब केवल लापरवाही नहीं, बल्कि कहीं न कहीं मिलीभगत की ओर इशारा करते हैं। अगर गरीबी का निर्धारण केवल कागजों पर होगा, तो सच्चाई हमेशा हाशिए पर ही रहेगी। कागजों में गरीब बनना आसान है, लेकिन वास्तविक जीवन में अभाव झेलना उतना ही कठिन। दुर्भाग्य यह है कि सिस्टम कागजों को देखता है, इंसान को नहीं। सबसे बड़ा नुकसान उस वर्ग को हो रहा है, जिसके नाम पर यह पूरा ढांचा खड़ा किया गया था। असली गरीब आज भी वही है– संघर्षरत, उपेक्षित और हाशिए पर। उसके हिस्से की सुविधाएं कोई और ले जा रहा है, और वह केवल आंकड़ों में 'लाभार्थी' बनकर रह गया है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता नहीं, बल्कि सामाजिक अन्याय का भी प्रतीक है। जब समाज में पात्र और अपात्र के बीच की रेखा मिटने लगे, तो व्यवस्था का भरोसा भी टूटने लगता है। आज का सबसे बड़ा व्यंग्य यही है कि इस देश में 'ईमानदार गरीब' सबसे ज्यादा पीड़ित है। वह न तो जुगाड़ जानता है, न रिश्वत देने की क्षमता रखता है, और न ही गलत तरीके अपनाने की इच्छा। परिणामस्वरूप, वह हर योजना से वंचित रह जाता है। दूसरी ओर, जो व्यक्ति संसाधनों से भरपूर है, वह खुद को 'गरीब' घोषित कर लाभ ले रहा है। यह एक ऐसी विडंबना है, जहां सच्चाई हार रही है और दिखावा जीत रहा है। समस्या का समाधान केवल सख्त कानूनों में नहीं, बल्कि सोच के बदलाव में है। जब तक लोग यह नहीं समझेंगे कि वे किसी और के अधिकार का हनन कर रहे हैं, तब तक कोई भी सुधार अधूरा रहेगा। प्रशासन को पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ानी होगी, तकनीक का बेहतर उपयोग करना होगा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई करनी होगी। लेकिन इससे भी अधिक जरूरी है कि समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी को पहचाने।

अंत में, एक कड़वा लेकिन सटीक कटाक्ष–आज अगर कोई पूछे कि 'आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि क्या है?' तो शायद जवाब होगा, 'हमने अमीर होते हुए भी खुद को गरीब साबित कर दिया।' यही हमारे समय का सबसे बड़ा सच है। हम गरीबी मिटाने की बात करते हैं, लेकिन असल में गरीबी को बांटने और बेचने में लगे हैं। अगर यही स्थिति रही, तो वह दिन दूर नहीं जब 'गरीबी' केवल एक कागजी पहचान बनकर रह जाएगी और असली गरीब हमेशा की तरह सिस्टम के बाहर खड़ा रहेगा।

IPL-2026: राजस्थान की लगातार तीसरी जीत, मुंबई को 27 रन से हराया

भीम प्रज्ञा न्यूज.गुवाहाटी।

आईपीएल-2026 के 13वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 27 रन से हराकर सीजन में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन की पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई। गुवाहाटी में बारिश के कारण मैच करीब ढाई घंटे देरी से शुरू हुआ और इसे 11-11 ओवर का कर दिया गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए 11 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाए। टीम की ओर से यशस्वी जायसवाल ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों पर नाबाद 77 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। उन्होंने शुरुआत से ही मुंबई के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। जायसवाल को वैभव सूर्यवंशी का भी शानदार साथ मिला। वैभव ने मात्र 14 गेंदों में 39 रन की तेज पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 80 रन की मजबूत साझेदारी हुई, जिसने टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

151 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती रही। पूरी टीम 11 ओवर में 9 विकेट पर 123 रन ही बना सकी और लक्ष्य से काफी दूर रह गई। मैच के अंतिम ओवर में मुंबई को जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम केवल 7 रन ही बना सकी। राजस्थान के गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखते हुए शानदार गेंदबाजी की और तीन गेंदबाजों ने 2-2 विकेट लेकर मुंबई की बल्लेबाजी को पूरी तरह रोक दिया। शानदार बल्लेबाजी के लिए यशस्वी जायसवाल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनकी पारी ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया और टीम की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई इस जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स लगातार तीन मुकाबले जीतकर अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई है, जबकि मुंबई इंडियंस लगातार दूसरी हार के बाद सातवें स्थान पर खिसक गई है और उसके खाते में अब तक सिर्फ 2 अंक हैं। राजस्थान रॉयल्स इस सीजन में बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रही है और टीम का संतुलित प्रदर्शन उसे खिताब का मजबूत दावेदार बना रहा है। वहीं मुंबई इंडियंस को आगे के मुकाबलों में वापसी के लिए अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा।ल्कि सोच की

नारनौल पुलिस की बड़ी सफलता: 32 गुम मोबाइल बरामद, मालिकों को लौटाए 6.71 लाख के फोन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा के नारनौल में पुलिस की साइबर सेल टीम ने शानदार कार्य करते हुए गुम हुए 32 महंगे स्मार्टफोन बरामद कर लिए। इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत 6 लाख 71 हजार 168 रुपए बताई गई है। बरामद किए गए सभी मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए, जिससे लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठें। पुलिस अधीक्षक दीपक जेवरिया ने पुलिस मुख्यालय में खुद इन मोबाइलों को संबंधित लोगों को सुपुर्द किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि साइबर सेल की टीम ने तकनीकी सर्विलांस के जरिए न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि अन्य जिलों और राज्यों तक ट्रैकिंग कर इन मोबाइलों को बरामद किया है। इस पूरी कार्रवाई में केंद्र सरकार के CEIR पोर्टल ने अहम भूमिका निभाई। इस पोर्टल की मदद से गुम मोबाइल को ब्लॉक और ट्रैक करना आसान हो जाता है, जिससे उनके गलत इस्तेमाल को रोका जा सकता है। अपने खोए हुए मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका फोन दोबारा मिल पाएगा। पुलिस की इस तत्परता ने उन्हें नया मोबाइल खरीदने के आर्थिक बोझ से बचा लिया?। इस मौके पर

एसपी दीपक जेवरिया ने लोगों को मोबाइल सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया। उन्होंने कहा कि मोबाइल गुम होने पर घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि तुरंत सही कदम उठाने चाहिए।

उन्होंने बताया कि सबसे पहले गुम मोबाइल की सूचना तुरंत ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल पर दर्ज करानी चाहिए, ताकि फोन को ब्लॉक कर ट्रैक किया जा सके। इसके अलावा मोबाइल खोते ही अपनी सिम को तुरंत बंद करवाकर डुप्लीकेट सिम निकलवाना जरूरी है, जिससे किसी भी तरह के साइबर अपराध से बचा जा सकें।

आर्य पब्लिक स्कूल नीमराना में प्रतिभा सम्मान समारोह: मेधावी छात्रों का हुआ भव्य सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना कस्बे के आर्य पब्लिक स्कूल में बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को फूल-माला पहनाकर, साफा बांधकर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। विज्ञान वर्ग में प्रीतम यादव ने 95', उत्तम यादव ने 90.60' और घनिष्ठ ने 89.60' अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। वहीं कला वर्ग में अंकिता ने 91.20' अंक हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अलावा इंस्पायर अवार्ड 2026 में चयनित प्रिंस यादव (सिलारपुर) को भी सम्मानित किया गया। नेशनल स्तर पर गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाली डोरिस (खराना) तथा जिला स्तर पर सिल्वर मेडल विजेता मयंक को भी मंच पर सम्मान मिला। बैडमिंटन प्रतियोगिता में जिला स्तर पर सिल्वर मेडल जीतने वाली एकता, साक्षी, तपस्या खटाना, कोमल, माही और पूजा को भी सम्मानित किया गया। साथ ही सैनिक स्कूल में चयनित हैप्पी, रोनित, राजबाबू, हरिषा, वैष्णवी, सोनाक्षी, राज अहीवार, चंचल, चेतना, अभिमन्यु, प्रिंस और नमन सहित अन्य विद्यार्थियों का भी सम्मान

किया गया। विद्यालय के प्रिंसिपल रविंद्र सिंह यादव ने शानदार परिणाम के लिए विद्यार्थियों और स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे सम्मान समारोह विद्यार्थियों को आगे बढ़ने और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद् राजवीर सिंह यादव ने की, जबकि मंच संचालन संदीप कुमार यादव और ज्योति चौहान ने किया। इस अवसर पर निराकार, छोटेलाल, नरेन्द्र, महेंद्र, अश्विन, पुष्पा, पूनम, मीनाक्षी, प्रतिमा दास, विनोद सिंह यादव सहित अभिभावक और विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला।

महिला मोर्चा को और अधिक मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकता – डॉ. सिहाग

झुंझुनूं में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री डॉ. अरूणा सिहाग का भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री बनने के बाद पहली बार झुंझुनूं पहुंची डॉ. अरूणा सिहाग का कार्यकर्ताओं ने उत्साह और जोश के साथ भव्य स्वागत किया। पुलिस लाइन के पास से वाहनों की रैली निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे। रैली शहर के रोड नंबर तीन स्थित पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी के आवास पहुंची। जहां भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश प्रभारी संतोष अहलावत और पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी की अगुवाई में उनका स्वागत किया गया। इसके बाद डॉ. सिहाग को खुली जीप में शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सूर्य विहार स्थित उनके आवास तक ले जाया गया। इस दौरान जगह-जगह कार्यकर्ताओं और आमजन ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। आवास पर भी बड़ी संख्या में समर्थकों की भीड़ उमड़ी और उत्सव जैसा माहौल बना रहा। इस अवसर पर डॉ. अरूणा सिहाग ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है। उसे वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की रीढ़ उसकी समर्पित कार्यकर्ता शक्ति है और महिला मोर्चा को और अधिक मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने महिलाओं को संगठन से जोड़ने, उन्हें सशक्त बनाने और हर बूथ तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने का आह्वान किया। प्रदेश प्रभारी संतोष अहलावत ने कहा कि डॉ. सिहाग का संगठनात्मक अनुभव और कार्यशैली महिला मोर्चा को नई दिशा देगी। उनके नेतृत्व में प्रदेशभर में महिला कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिलेगी और संगठन जमीनी स्तर पर और मजबूत होगा। वहीं पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने कहा कि डॉ. सिहाग के इस महत्वपूर्ण दायित्व से झुंझुनूं जिले सहित पूरे प्रदेश की महिला शक्ति को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में अधिक से अधिक महिलाएं भाजपा से जुड़ेंगी और संगठन का विस्तार होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। जिनमें प्रमुख रूप से भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश प्रभारी संतोष अहलावत, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, जिला परिषद के निवर्तमान सदस्य अजय भालोठिया, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष इंजीनियर प्यारेलाल ढूकिया, भाजपा शहर महामंत्री रवि लांबा, भाजयुमो के पूर्व जिला महामंत्री प्रमोद जानूं, भाजपा सोशल मीडिया के जिला संयोजक चंद्रप्रकाश शुक्ला, भाजपा शहर उपाध्यक्ष रामनिवास सैनी, महेंद्र सोनी, भाजपा ओबीसी मोर्चा के शहर अध्यक्ष दीपक स्वामी, भाजपा एससी मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष एडवोकेट शिवकुमार जेवरिया, विनोद गर्वा, किरण चौधरी, मनोज देवी, खादिम खोखर, आजम अली राठौड़, बरकत अली, जगदीश बुडानिया, अशोक कुमावत, सुशील, सुभाष सोनी, रामकरण चौधरी, वेदकौरदेवी, नेहा चौधरी, मंजू चौधरी, भवरीदेवी, सरिता, वर्षा, कविता सोनी, अरुणिका, कृष्णादेवी, बबितादेवी, प्रवीण ढूकिया, सवितादेवी, सुभाष जनेवा, धर्मपाल ठेकेदार, मुकेश कड़वासरा आदि मौजूद थे।

भाजपा की सरकार अपनी हार के डर के कारण निकाय व पंचायत चुनाव नहीं करवा रही हैं- नरेश सोनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । नगरपालिका के निवर्तमान चेयरमैन व कांग्रेस नेता नरेश सोनी ने मंगलवार को जारी प्रेस वक्तव्य में कहा है की प्रदेश में भाजपा सरकार अपनी चुनावी हार के डर से पंचायत व निकाय चुनावों से लगातार भाग रही है। यह लोकतंत्र से खिलवाड़ नहीं, बल्कि जनता के संवैधानिक अधिकारों का खुला अपमान है। न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद निर्वाचन आयोग का मौन रहना और सरकार के आगे झुक जाना बेहद निंदनीय है। संवैधानिक संस्थाओं को पंगु बनाकर भाजपा अपनी राजनीतिक कायरता छिपा रही है। 5 साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद भी माननीय न्यायालय और संविधान की व्यवस्था को ठुकराकर चुनाव टालना भाजपा की तानाशाही मानसिकता को उजागर करता है। निवर्तमान पालिकाध्यक्ष सोनी ने कहा की भाजपा सरकार जनता से भाग रही है और लोकतंत्र को बंधक बना रही है।

लोहिया स्कूल के पूर्व छात्र रहें दो सगे भाइयों का व्याख्याता में चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

लोहिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल चिड़ावा के दो पूर्व छात्रो व सगे भाइयों का व्याख्याता पद पर चयन होने से क्षेत्र में खुशी की लहर है। कुलदीप नेहरा व कपिल नेहरा पुत्र लादूराम नेहरा निवासी गांव लोदीपुरा, के दो सगे भाइयों का व्याख्याता पद पर चयन हुआ हैं। संस्था

चेयरमैन राम सिंह नेहरा ने बताया कि कपिल ने एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल गुजरात में व्याख्याता (गणित) के पद पर कार्य ग्रहण कर लिया है तथा आरपीएससी के द्वारा प्रायोजित परीक्षा में कुलदीप ने भौतिक विज्ञान व्याख्याता, राजस्थान में 26 रैंक हासिल कर एक मुकाम हासिल किया है 7 दोनों छात्रों व उनके परिवार का लोहिया स्कूल प्रांगण में माला, साफा व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर निदेशक जगपाल सिंह यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा, संस्था सचिव प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा, प्रिंसीपल प्रमोदिनी दुबे, प्रधानाचार्य प्रमिला झाझड़िया, गुलजार खान, पूरणमल गजराज, हरिराम शर्मा सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

लाभदायक व्यवसाय है भारत में पोल्ट्री फार्मिंग

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा।

विश्व स्तर पर, भारत अंडा उत्पादन में दुनिया में तीसरे और चिकन मांस उत्पादन में दुनिया में पांचवें स्थान पर है। यद्यपि उत्पादन मुख्य रूप से व्यावसायिक साधनों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, लेकिन ग्रामीण पोल्ट्री क्षेत्र भी भारतीय पोल्ट्री उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री का बिजनेस शुरू कर सकता है। हालांकि पोल्ट्री बिजनेस को शुरू करने से पहले उचित योजना और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। तो चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू करें पोल्ट्री का व्यवसाय

उपयुक्त स्थान चुनना

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा। भूमि का क्षेत्र उन पक्षियों की संख्या पर निर्भर करता है जिन्हें आप पालना चाहते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग के लिए जगह चुनते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। मसलन, ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मिंग करें क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ते हैं। शोर मुक्त और शांत जगह का चयन करें। कोशिश करें कि जगह प्रदूषण मुक्त हो। साथ ही भूमि का चयन करते समय पर्याप्त मात्रा में ताजे और साफ पानी का एक बड़ा स्रोत सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं, उस स्थान से शहर में परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दें और अगर आपके द्वारा चुने गए स्थान के पास ही मार्केट हो तो काफी अच्छा रहेगा। इससे आपका परिवहन का व्यय काफी हद तक बच जाएगा।

वित्त व्यवस्था करना

जमीन खरीदने से लेकर मुर्गी पालन तक आपको काफी खर्चा करना पड़ेगा। इसलिए पहले आप वित्त व्यवस्था की ओर ध्यान दें। अगर आपके पास जमा पूंजी है, तो ठीक है, अन्यथा आप बैंक लोन के बारे में भी विचार कर सकते हैं। वर्तमान में बैंक पोल्ट्री फार्मिंग के लिए लोन प्रदान करते हैं।

मुर्गियों का चयन

पोल्ट्री फार्मिंग में सबसे मुख्य कदम होता है मुर्गियों का चयन करना। दरअसल, आपको पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि मुर्गी पालन के जरिए आप किस तरह आमदनी करना चाहते हैं। मसलन, आप अंडे बेचना चाहते हैं या मीट। अगर आप अंडे उत्पादन करके उन्हें बेचना चाहते हैं तो इसके लिए द्यथभद्गन मुर्गी का चयन करें। वहीं अगर आप मीट बेचकर पैसे कमाने के इच्छुक हैं तो मुर्गियों को पालना अच्छा रहेगा।

मुर्गी के लिए घर तैयार करना

इसके बाद बारी आती है मुर्गियों के लिए घर तैयार करने की। हालांकि यह जमीन खरीदने जैसा महंगा भी नहीं है। पोल्ट्री पक्षियों के लिए एक अच्छा घर बनाने के कई तरीके हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि घर या पिंजरे पर्याप्त और विशाल हो ताकि पक्षियों को उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो। उनके पिंजरे में उचित वेंटिलेशन सिस्टम बनाएं। घर के अंदर पर्याप्त मात्रा में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवाह सुनिश्चित करें। यदि आप बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन करना चाहते हैं तो कई घर बनाएं और एक घर से दूसरे घर की दूरी कम से कम 40 फीट रखें। घर को हमेशा साफ और ताजा रखें। और चूजों को खेत में लाने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अलावा घर के अंदर एक उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं। यह आपको घर को आसानी से साफ करने में मदद करेगा।

भोजन

अगर आप चाहते हैं कि आपका बिजनेस अच्छा चले तो आपको मुर्गियों का सही तरह से ख्याल रखना होगा। अच्छे और उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक भोजन कमर्शियल पोल्ट्री उत्पादन के लिए जरूरी है। भारत में कई पोल्ट्री फीड उत्पादक कंपनियां उपलब्ध हैं। वे सभी प्रकार के पोल्ट्री पक्षियों के लिए फीड का उत्पादन करते हैं। आप अपने पक्षियों के लिए उन भोजन का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पोल्ट्री रोगों के कारण हजारों किसान भारी नुकसान का सामना करते हैं। इसलिए, हमेशा अपने पक्षियों की अच्छी देखभाल करें और उन्हें पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी प्रदान करें। उनका समय पर टीकाकरण करें और कुछ सामान्य और आवश्यक दवाओं का भंडारण करके रखें।

मार्केटिंग

पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस का आखिरी और सबसे मुख्य स्टेप है मार्केट की तलाश करना। इसके लिए आप सबसे पहले अपने लोकल मार्केट में कस्टमर ढूंढे। विभिन्न दुकानों पर आपके अंडे और मीट बिक सकते हैं। अगर आपको अपने काम के लिए बाजार अपने आसपास ही मिल जाता है तो इससे आपका परिवहन खर्च बच जाएगा और आपकी आमदनी अधिक होगी।

एग्रीकल्चर में भी हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कॅरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में

कोर्स व योग्यता

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषिविज्ञान, बागवानी, फ्लोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्टी, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल या बोर्ड से जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है।

एडमिशन

छात्र राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार अपनी 12वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि कुछ कॉलेज योग्यता परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश भी देते हैं।

कॅरियर स्कोप

वर्तमान में, कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर की मांग अधिक है। कृषि क्षेत्र में कोर्स करने के बाद, आप सरकारी के साथ-साथ निजी संगठनों में भी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। कृषि स्नातक उम्मीदवारों के लिए नौकरी के विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप बागवानी, डेयरी और पोल्ट्री फार्मिंग में नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में स्नातक पूरा करने और कुछ अनुभव के बाद, आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जैसे कृषि फर्म, कृषि उत्पाद की दुकान, कृषि उद्योग, आदि। एग्रीकल्चर में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद, आप पर्यवेक्षक, वितरक, शोधकर्ता और इंजीनियर के रूप में काम कर सकते हैं।

वेतन और पे-स्केल

एग्रीकल्चर क्षेत्र स्मार्ट और मेहनती लोगों को एक अच्छा वेतन पैकेज देता है। भारत में कई सरकारी और निजी उद्योग कृषि इच्छुक लोगों को अच्छे वेतन पैकेज प्रदान करते हैं। बीएससी (कृषि) स्नातक के रूप में, आप आसानी से भारत में प्रति वर्ष लगभग 3 से 4 लाख कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लुधियाना
- अमृतसर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अमृतसर
- देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, कृषि विद्यालय, नई दिल्ली

महिलाओं की हर समस्या का उपचार करती हैं गायनेकोलॉजिस्ट

स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों।

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है गायनेकोलॉजी। गायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

क्या होता है काम

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं।

योग्यता – स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए, उम्मीदवारों को एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन)/ एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी)/ डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ मेडिसिन) या स्त्री रोग (डीजीओ) में डिप्लोमा कोर्स करना पड़ता है। इसके अलावा करीबन साढ़े चार साल का एमबीबीएस प्रोग्राम और एक साल की इंटर्निशप करने के बाद आप गायनेकोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एमडी/एमएस/डीएनबी) आमतौर पर 3 साल की अवधि के होते हैं। स्त्री रोग (डीजीओ) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 2 वर्ष की अवधि का है। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। निजी मेडिकल कॉलेजों के मामले में संस्थानों द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

व्यक्तिगत गुण – स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों। इसके अलावा उनमें मजबूत नैतिकता, सेवा मानसिकता, आत्म-प्रेरित और जल्दी से निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। इन सभी गुणों के अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास अच्छी याददाशत और याद रखने की क्षमता होनी चाहिए। एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ में जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए, क्योंकि रोगी का जीवन पूरी तरह से उस पर निर्भर करता है।

आमदनी – स्त्री रोग विशेषज्ञ का वेतन उनकी शैक्षिक डिग्री, वर्क एक्सपीरियंस, रोजगार के स्थान पर निर्भर करता है। एक फ्रेशर का वेतन 15000 से 30000 रूपए प्रतिमाह हो सकता है। वहीं चार-पांच वर्षों के अनुभव के बाद आपकी सैलरी 40000 से 80000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। सीनियर लेवल पर यह सैलरी 100000 से 200000 प्रतिमाह हो सकती है।

कॅरियर की संभावनाएं

स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जॉब की कोई कमी नहीं होती। आप सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल स्कूल या संस्थान में बतौर गायनेकोलोजी लेक्चरर के रूप में काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद का क्लीनिक भी खोल सकते हैं।

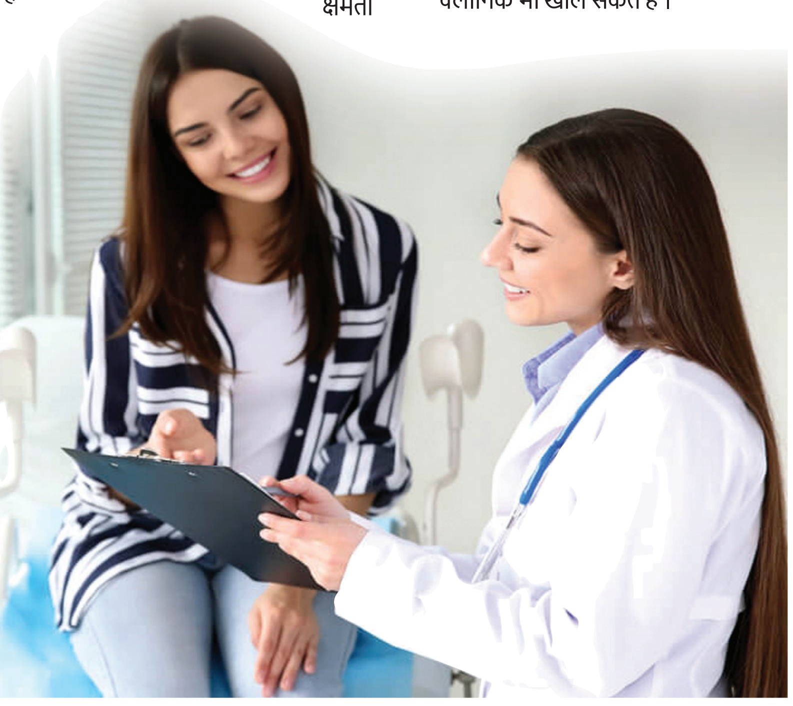

साइबर ठगी के जाल से बचने को न्यायालय की पहल, गांव-गांव जागी डिजिटल सतर्कता की मशाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

अधिवक्ता साइबर ठगी से बचाव की जानकारी देते हुए

मनोज खंडेलवाल । बदलते दौर में जहां एक ओर डिजिटल सुविधाओं ने आमजन के जीवन को आसान बनाया है, वहीं दूसरी ओर साइबर अपराधों का जाल भी तेजी से फैलता जा रहा है। ऐसे में न्यायपालिका द्वारा जन-जागरूकता की यह पहल न केवल सराहनीय है, बल्कि समय की सबसे बड़ी जरूरत भी बन गई है। राजस्थान विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार तालुका विधिक सेवा समिति, महवा के तत्वावधान में मंगलवार को 'ट्रांसफॉर्मेटिव थर्सडे लीगल लिटरेसी एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम' के अंतर्गत साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान का व्यापक आयोजन किया गया, जिसमें न्यायिक अधिकारियों एवं पैनल अधिवक्ताओं ने महवा क्षेत्र के विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों को जागरूक किया। कार्यक्रम के तहत अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नीतू भारद्वाज ने होली एंजल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पाली रोड महवा में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए साइबर अपराधों की बदलती प्रकृति और उनसे बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं न्यायिक मजिस्ट्रेट सीमा मीना ने 'द बोहराज ग्लोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल' में आयोजित सत्र में विद्यार्थियों को बताया कि 'जरा सी लापरवाही, जिंदगी भर की परेशानी' बन सकती है, इसलिए डिजिटल दुनिया में सतर्क रहना बेहद जरूरी है। इस दौरान विद्यालय प्रबंधन ने भी सक्रिय सहयोग निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया, जिसमें होली एंजल्स स्कूल के चेयरमेन रोबिन मैथ्यू, डायरेक्टर रोनी मैथ्यू एवं प्रिंसिपल दीपा बी मैथ्यू तथा बोहराज ग्लोबल स्कूल के प्रबंधक विनय बोहरा, विकास बोहरा एवं प्रिंसिपल दिव्या मिश्रा की विशेष भूमिका रही। इसी क्रम में समिति के पैनल अधिवक्ताओं ने भी ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों में पहुंचकर विधिक जागरूकता की अलख जगाई। अधिवक्ता अशोक कुमार वशिष्ठ ने कैरियर एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नांगल जटवारा में, महेंद्र कुमार शर्मा ने जीबी इंटरनेशनल स्कूल महवा में, ओमप्रकाश कुण्डारा ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय समलेटी में, भुवनेश त्रिवेदी ने रसीदपुर विद्यालय में, महेश सिंह ने राज इंटरनेशनल स्कूल महवा में, प्रीतम चंद सैनी ने सैनी आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल महवा में तथा विष्णु कुशवाह ने रा.उ.मा.वि. रौंतहडिया में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि 'सावधानी हटी, दुर्घटना घटी' केवल कहावत नहीं बल्कि डिजिटल युग की सच्चाई बन चुकी है।

कार्यक्रम में केवल साइबर सुरक्षा ही नहीं, बल्कि नालसा एवं रालसा की जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे बाल तस्करी निषेध, लाडो प्रोत्साहन योजना, बाल विवाह निषेध, एंटी रैगिंग, घरेलू हिंसा, बाल श्रम उन्मूलन, विधिक सहायता, पीड़ित प्रतिकर योजना एवं मध्यस्थता कार्यवाही जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि कानून केवल दंड का माध्यम नहीं, बल्कि संरक्षण और अधिकारों का सशक्त कवच भी है।

नीमराना में प्रवेशोत्सव सघन अभियान तेज, नामांकन बढ़ाने को शिक्षा विभाग सक्रिय

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद्र । शिक्षा विभाग द्वारा संचालित प्रथम चरण प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के तहत मंगलवार को सघन अभियान चलाकर विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने के प्रयास तेज किए गए। इस दौरान शिक्षा अधिकारियों ने ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों एवं गांवों का दौरा कर नामांकन वृद्धि को लेकर समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश यादव ने महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कान्हावास, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मांढण, राउमावि वीरनवास और राउमावि नानगवास का निरीक्षण कर स्टाफ के साथ बैठक की। उन्होंने प्रवेशोत्सव अभियान के तहत अधिक से अधिक नामांकन सुनिश्चित करने, अनामांकित एवं ड्रॉपआउट बालक-बालिकाओं को विद्यालय से जोड़ने तथा 3 से 18 वर्ष तक के सभी बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन और ठहराव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान गांवों की चौपाल पर पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद किया गया और अपील की गई कि वे अपने बच्चों का प्रवेश राजकीय विद्यालयों में करवाएं। उन्होंने बताया कि सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे निःशुल्क साइकिल, ट्रांसपोर्ट वाउचर, आपकी बेटी योजना, गार्गी पुरस्कार, छात्रवृत्तियां, निःशुल्क यूनिफॉर्म एवं पाठ्य पुस्तक जैसी सुविधाओं का लाभ भी विद्यार्थियों को मिलता है। उन्होंने संस्था प्रधानों को निर्देश दिए कि विद्यालयों की उपलब्धियों को मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचारित किया जाए, जिससे अभिभावकों में विश्वास बढ़े और नामांकन लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। वहीं अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पुष्पा यादव ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शाहजहांपुर, राउप्रावि सांसेडी और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जौनायचा कलां का दौरा कर प्रवेशोत्सव सघन अभियान में भाग लिया तथा संस्था प्रधानों एवं स्टाफ से नामांकन बढ़ाने को लेकर चर्चा की।

3डी प्रिंटिंग तकनीक से की जटिल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी, मरीज को मिला नया जीवन

सीके बिरला हॉस्पिटल्स जयपुर में सीनियर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. ललित मोदी ने की जटिल सर्जरी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। चिकित्सा जगत में नित नई तकनीकों के समावेश ने अब उन मामलों को भी संभव बना दिया है, जिन्हें पहले अत्यधिक जोखिम भरा माना जाता था। ऐसा ही एक मामला सीके बिरला हॉस्पिटल्स, जयपुर में सामने आया, जहाँ सीनियर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. ललित मोदी और उनकी टीम ने एक बेहद जटिल 'रिवीजन हिप रिप्लेसमेंट' सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

क्या था मामला? 65 वर्षीय महिला संगीता (परिवर्तित नाम) का करीब एक साल पहले किसी अन्य अस्पताल में हिप रिप्लेसमेंट हुआ था। लेकिन कूल्हे की हड्डी (एसीटैबुलम) के कमजोर होने और बनावट में खराबी (डिफॉर्मिटी) के कारण सर्जरी के कुछ ही हफ्तों बाद इंप्लांट फेल हो गया। स्थिति इतनी गंभीर थी कि कृत्रिम कप अपनी जगह से खिसक कर पेल्विस के अंदरूनी हिस्से में धंस गया था। इस कारण मरीज पिछले एक साल से चलने-फिरने में पूरी तरह असमर्थ थी।

डॉ. ललित मोदी ने बताया कि यह केस सामान्य सर्जरी से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण था। डॉ. ललित ने बताया कि सबसे बड़ा जोखिम कप निकालते समय आसपास की रक्त वाहिकाओं को चोट पहुँचने का था।

अंबेडकर जयंती पोस्टर का किया विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर में अंबेडकर जयंती समारोह बनाने के लिए डॉक्टर बी आर आंबेडकर आदर्श समाज संस्थान(ब्रास) सदस्यों ने वाल्मीकि बस्ती में पहुंचकर अंबेडकर जयंती के पोस्टर का विमोशन किया । इस अवसर पर कुलदीप भगत ने बताया कि इकबाल ओमप्रकाश चंदेलिया रमेश सांवरिया विनोद जमादार ओमप्रकाश जड़िया नरेंद्र चंदेलिया राजकुमार जैड़िया सुरेश चंदेलिया मुकेश चंदेलिया केदार कांत शंभू चंदेलिया एडवोकेट उम्मेद बरवड़ ओमप्रकाश निर्मल महेश महारानियां बृजेश बुलानिया दिनेश महारानियां पवन भूकर सुनील मेहरा आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

अधिशाषी अधिकारी शेखावत ने गौशाला का निरीक्षण किया

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मुकुंदगढ़ रोड स्तिथ टीकमदास आश्रम में संचालित कामधेनु निराश्रित गौशाला का आज मंडावा नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी लोकेन्द्र सिंह शेखावत ने औचक निरीक्षण किया। उन्होने गौवंश के चारे,पानी व छाया की व्यवस्था देखी। जो संतोषजनक पाई गई। उन्होंने साफ सफाई व्यवस्था पर संतुष्टि जताते हुए कहा कि गौशाला में सफाई व्यवस्था अच्छी है। उन्होंने बीमार गौवंश के इलाज की व्यवस्था को देखकर समिति की प्रसंशा व्यक्त की। इस अवसर पर नगरपालिका के नरेन्द्र सिंह,विजेंद्र ,सत्य नारायण शर्मा, प्रकाश स्वामी,रविंद्र शर्मा आदि उपस्थित थे। समिति अध्यक्ष किशोर सिंह से आभार व्यक्त किया

शिक्षा विभाग में अवकाशों में कटौती का विरोध

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

सूरजगढ़ राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम उपशाखा सूरजगढ़ के सभी राजकीय विद्यालयों में राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग विभाग द्वारा सत्र 2026-27 अवकाशों में कटौती का कार्मिकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध किया गया। शिक्षा विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश, शीतकालीन अवकाश एवं संस्था प्रधान द्वारा अधिकृत अवकाशों में कटौती की गई है। जिससे शिक्षकों में रोष है। शिक्षक संघ सियाराम उपशाखा सूरजगढ़ के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर कर विरोध किया। आगामी रणनीति के तहत 8 अप्रैल को उपखंड अधिकारी ओर 20 अप्रैल को कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा। 18 मई को शिक्षा मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया।

वेतन बढाने की मांग पर अड़े पालिका के सफाई कार्मिक, हड़ताल पर जाने से मंडावर में लगे कचरे के ढेर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

शहर के गाँधी चौक के पास लगा कचरे का ढेर

मनोज खंडेलवाल । जब पहरेदार ही खामोश हो जाएं, तो हालात बेकाबू होना तय है '–कुछ ऐसा ही नजारा इन दिनों मंडावर कस्बे में देखने को मिल रहा है, जहां अस्थाई सफाई कार्मिकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल ने पूरे शहर को गंदगी के ढेर में तब्दील कर दिया है। बीते शनिवार से वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर काम बंद कर चुके सफाई कार्मिकों के चलते नगर पालिका की व्यवस्थाएं चरमराकर रह गई हैं और शहर की सड़कों से लेकर गलियों तक कचरे का अंबार लग गया है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि चलते वाहनों के साथ कचरा उड़कर वातावरण को दूषित कर रहा है और पालिका के स्वच्छता के दावे सरेआम दम तोड़ते नजर आ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं।

हालांकि सोमवार दोपहर बाद कुछ सफाई कार्मिकों ने गांधी चौक क्षेत्र में जमा कचरे का उठाव कर हालात को कुछ हद तक संभालने की कोशिश की, लेकिन शहर के अधिकांश हिस्सों में स्थिति जस की तस बनी रही। शाम को हुई बारिश ने इस गंदगी को और विकराल रूप दे दिया, जहां कचरा कीचड़ में बदलकर राहगीरों के लिए मुसीबत बन गया। 'ना चलने की राह, ना सांस लेने की जगह '–ऐसे हालात में आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं गंदगी से मच्छरों का प्रकोप बढ़ने और बीमारियों के फैलने का खतरा भी मंडराने लगा है।

टेंडर की दरें बढ़ी, वेतन जस का तस–कार्मिकों में रोष

हड़ताल पर बैठे अस्थाई सफाई कार्मिकों का कहना है कि पालिका ने इस वर्ष सफाई के टेंडर की दरों में बढ़ोतरी की है, लेकिन इसके बावजूद उनके वेतन में कोई इजाफा नहीं किया गया। उनका आरोप है कि यह प्रशासन और ठेकेदार की मनमानी का साफ उदाहरण है। कार्मिकों का कहना है कि जब टेंडर राशि बढ़ाई गई है, तो नियमानुसार उनके वेतन में भी वृद्धि होनी चाहिए थी, लेकिन उनकी मांगों को नजरअंदाज कर दिया गया, जिससे उन्हें मजबूर होकर हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा।

रामभरोसे सफाई व्यवस्था, जनता बेहाल–जांच की उठ रही मांग

नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर अब गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस' जैसी सुस्त व्यवस्था के चलते शहर में सफाई व्यवस्था रामभरोसे चल रही है और आए दिन हड़ताल होना आम बात बन चुकी है। इसका खामियाजा सीधे तौर पर आमजन को भुगतना पड़ रहा है। शहरवासियों का आरोप है कि सफाई के नाम पर हर महीने लाखों रुपये के टेंडर जारी किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात बदतर हैं, जिससे पूरे मामले में भारी गड़बड़झाले की आशंका जताई जा रही है और उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज हो गई है। वहीं घर-घर कचरा संग्रहण की व्यवस्था ठप होने से लोगों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। अंततः सवाल यही उठता है कि जब शहर की सफाई व्यवस्था ही गंदगी में दबी हो, तो विकास के दावे कितने सच्चे हैं। 'आईना झूठ नहीं बोलता '–और मंडावर की सड़कों पर पसरी यह गंदगी प्रशासन की कार्यशैली का सजीव आईना बन चुकी है।

महवा की धरती पर अनिल चोपड़ा का शक्ति प्रदर्शन–जनसैलाब उमड़ा, युवाओं का जोश बोला

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । जहां भीड़ नहीं, विश्वास उमड़ता है, वहीं नेतृत्व की असली पहचान होती है '–कुछ ऐसा ही नजारा महवा की पावन धरती पर उस समय देखने को मिला, जब प्रदेश अध्यक्ष पद के संभावित दावेदार एवं जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी अनिल चोपड़ा के स्वागत में जनसैलाब उमड़ पड़ा। गांव-गांव से पहुंचे युवाओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ ने पूरे माहौल को उत्साह और ऊर्जा से सराबोर कर दिया, मानो यह केवल स्वागत नहीं, बल्कि शक्ति प्रदर्शन का प्रतीक बन गया हो।कार्यक्रम के दौरान अनिल चोपड़ा का फूल-मालाओं और साफा पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। मंच से लेकर मैदान तक कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बन रहा था। युवाओं की बड़ी भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि क्षेत्र में संगठन की जड़ें गहरी हो रही हैं और नई पीढ़ी तेजी से जुड़ रही है। 'जब युवा जागता है, तभी बदलाव की राह बनती है '–इस भावना के साथ कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प भी दोहराया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष पद के प्रत्याशी लोकेंद्र सैनी ने एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही आने वाले समय की सबसे बड़ी ताकत होगी। वहीं ब्लॉक अध्यक्ष पद के प्रत्याशी सुनील शर्मा पाली सहित महेंद्र सैनी, पुष्पेंद्र पाली, सोनू सैनी, मुकेश सैनी, शांतनु सैनी, शेर सिंह कौशल, अजय कुमार, नसरू खान, सोहेल खान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता कार्यक्रम में मौजूद रहे, जिन्होंने पूरे आयोजन को जनसमर्थन का रूप दे दिया। वक्ताओं ने कहा कि अनिल चोपड़ा लंबे समय से युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाते रहे हैं और उनकी सक्रिय भूमिका संगठन में नई ऊर्जा का संचार करती रही है। महवा में उनके आगमन ने कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया और एक नई उम्मीद की किरण जगाई है। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का संकल्प लिया।

रैफल्स विश्वविद्यालय में विश्व स्वास्थ्य दिवस का भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । रैफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना के स्कूल ऑफ फार्मेसी द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर 'टुगेदर फॉर हेल्थः स्टैंड विद साइंस' थीम के साथ आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष, प्रो. (डॉ.) आर. एस. सांगवान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में वैश्विक स्वास्थ्य मानकों को सुधारने में विज्ञान और नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को स्वास्थ्य क्षेत्र में समर्पण और नैतिकता के साथ योगदान देने के लिए प्रेरित किया। स्कूल ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य, प्रो. (डॉ.) राजीव कुक्कर ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान स्वास्थ्य चुनौतियों और उनके समाधान में फार्मास्यूटिकल विज्ञान की भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जिससे स्वास्थ्य जागरूकता के प्रति एकजुटता और प्रतिबद्धता का संदेश मिला। कार्यक्रम का समापन स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहने तथा विज्ञान आधारित समाधान को अपनाने के संकल्प के साथ सफलतापूर्वक हुआ। कार्यक्रम का सफल आयोजन सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम समिति की सदस्याओं मनीषा गुप्ता, लुबना, ग़ज़ल, मुमताज़ एवं दीपशिखा द्वारा किया गया।

राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत ने विभिन्न मांगों के समाधान के लिए उपखंड अधिकारी को दिया ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत उप शाखा लक्ष्मणगढ़ के प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को विभिन्न मांगों के समाधान की मांग को लेकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया।

संघ के प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन में शिक्षा विभाग में ग्रीष्मकालीन अवकाश कटौती निरस्त करने, भीषण गर्मी में विद्यालयों की मूलभूत समस्याओं के समाधान सहित विभिन्न मांगों के समाधान के लिए उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष रामावतार फगेडिया, मंत्री मनोज महला, सुधीर महरिया, बिहारी लाल, मनप्रीत सिंह, संदीप जांगिड़, शंकरलाल मील, सुरेंद्र कुमार पुनिया, मनोज कुमार आदि मौजूद थे।

नीमराना में महावारी स्वच्छता अभियान: 1020 छात्राओं को किया जाएगा लाभान्वित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । एस्टिमो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नीमराना द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्त्र) गतिविधि के तहत क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में महावारी स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत मंगलवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नीमराना, महात्मा गांधी विद्यालय नीमराना, उच्च माध्यमिक विद्यालय शाहजहांपुर, उच्च माध्यमिक विद्यालय बहरोड़ एवं कोलीला के विद्यालयों में कक्षा 5 से 12 तक की लगभग 1020 छात्राओं के लिए जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार के दौरान छात्राओं को महावारी स्वच्छता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पैम्फलेट, अल्पाहार एवं सैनिटरी पैड वितरित किए गए। विद्यालय परिसर में महावारी स्वच्छता अभियान से संबंधित विनाइल शीट भी लगाई गई, जिससे छात्राओं को निरंतर जागरूकता मिल सके ।संस्था की ओर से सलोनी सिंगला ने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों एवं मासिक धर्म के दौरान अपनाई जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता के प्रति सजग रहने और किसी भी प्रकार की झिझक छोड़कर खुलकर जानकारी लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के प्रबंधक श्याम सुंदर ने एस्टिमो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नीमराना से जुड़े निपुण एवं उनकी टीम सहित सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कंपनी के साइट हेड नोबू हीरो तोजो, एचआर हेड विपिन गोयल सहित कंपनी प्रबंधन के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

डस्टबिन नहीं तो दुकान नहीं–पालिका का सख्त संदेश, अतिक्रमण पर चला डंडा

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । सफाई आधी सेहत है और अनुशासन पूरा शहर '–इसी मूल मंत्र को जमीन पर उतारने के लिए मंगलवार को नगर पालिका ने स्वच्छता और अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर कस्बे में सख्ती का संदेश दे दिया। अधिशाषी अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा के निर्देशन में चले इस अभियान के दौरान दुकानदारों को साफ चेतावनी दी गई कि अब बिना डस्टबिन दुकान नहीं चलेगी और सड़क पर कब्जा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान के तहत हिंडौन, जयपुर रोड, भरतपुर रोड, तहसील रोड सहित प्रमुख मार्गों पर पुलिस की मौजूदगी में कार्रवाई करते हुए दुकानदारों द्वारा अपने प्रतिष्ठानों के आगे फैलाए गए सामान और अवैध अतिक्रमण को हटवाया गया। कई स्थानों पर दुकानदारों को मौके पर ही सख्त हिदायत दी गई कि यदि दोबारा अतिक्रमण किया गया तो सीधे चालान की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान 'सड़क जनता की है, किसी की जागीर नहीं' का संदेश स्पष्ट रूप से देखने को मिला। पालिका टीम ने विशेष रूप से फल-फ्रूट एवं सब्जी विक्रेताओं को अपनी दुकानों पर अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखने और कचरा उसी में डालने के निर्देश दिए। भरतपुर रोड स्थित सब्जी मंडी में ठेला संचालकों को समझाइश दी गई कि गंदगी फैलाने की प्रवृत्ति अब नहीं चलेगी, अन्यथा कार्रवाई तय मानी जाए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की साझी जिम्मेदारी है। अभियान के दौरान सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण हटने से यातायात व्यवस्था भी सुचारू हुई, जिससे आमजन ने राहत की सांस ली। नगर पालिका के कनिष्ठ अभियंता ऋषिकांत मीणा, सफाई निरीक्षक रामलखन गुर्जर, एसबीएम अभियंता हेमराज बैरवा, दिलीप सिंह गुर्जर, एएसआई गंभीर सिंह सहित पुलिस व सफाई कर्मचारियों की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ मौजूद रही। इस सख्त कार्रवाई ने यह साफ कर दिया कि अब शहर में 'ढील नहीं, नियमों का राज' चलेगा। क्योंकि 'जहां सफाई और व्यवस्था कायम होती है, वहीं विकास की असली राह बनती है।'

अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करती पालिका की टीम।

सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के नाम पर हो रही ऑनलाइन ठगी से रहें सावधान- एसपी निकिता खट्टर

फर्जी निवेश ऐप व एजेंट बनकर लोगों को ऊंचे रिटर्न का लालच देकर ठगी के मामले बढ़े

सोशल मीडिया, व्हाट्सएप व टेलीग्राम ग्रुप के जरिए निवेश के नाम पर हो रही साइबर ठगी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस की ओर से आमजन को जागरूक करते हुए सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के नाम पर हो रही साइबर ठगी को लेकर विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आजकल साइबर अपराधी लोगों को निवेश के नाम पर झांसा देकर उनके साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ठग फर्जी निवेश ऐप, वेबसाइट या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों से संपर्क करते हैं और उन्हें एस आई पी में निवेश करने पर कम समय में अधिक मुनाफा देने का लालच देते हैं। कई बार नकली कंपनी या एजेंट बनकर लोगों को भरोसे में लिया जाता है और शुरुआती छोटे रिटर्न दिखाकर बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने बताया कि जैसे ही व्यक्ति अधिक पैसा निवेश करता है, ठग उसका पैसा निकाल लेते हैं और ऐप/वेबसाइट बंद कर देते हैं या संपर्क तोड़ देते हैं। कई मामलों में निवेशक को नकली डैशबोर्ड दिखाकर झूठा मुनाफा भी दिखाया जाता है, जिससे वह और अधिक निवेश करता रहता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी निवेश योजना में 'गारंटीड रिटर्न' का दावा करना अक्सर धोखाधड़ी का संकेत होता है। निवेश हमेशा प्रमाणित और अधिकृत संस्थाओं के माध्यम से ही करना चाहिए ,पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को इस प्रकार की साइबर ठगी का संदेह हो या वह इसका शिकार हो जाए, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें , साथ ही नजदीकी थाना या साइबर सेल में भी सूचना दें।

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने अपील की है कि आमजन जागरूक रहें और बिना जांच-पड़ताल के किसी भी निवेश योजना में पैसा न लगाएं। सुरक्षित निवेश ही समझदारी है और सतर्कता ही ठगी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

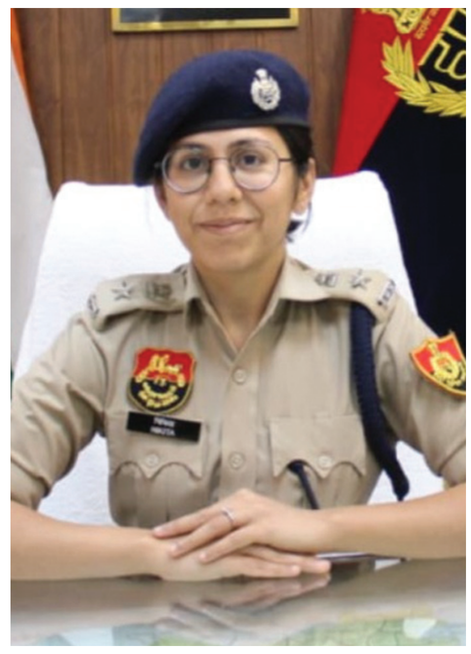

अवैध शराब रखने के मामले में एक आरोपी काबू : थाना शहर टोहाना पुलिस की कार्रवाई

नरवाना टी-प्वाइंट के पास 15 बोतल देसी शराब बरामद, आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना शहर टोहाना पुलिस द्वारा अवैध शराब के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त एवं अपराध जांच के दौरान नरवाना टी-प्वाइंट के पास मौजूद थी। इसी दौरान विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एक संदिग्ध व्यक्ति को काबू किया। आरोपी की पहचान बलजिंद्र सिंह उर्फ बिंद्र पुत्र बनवारी लाल निवासी अंबेडकर चौक, टोहाना के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक प्लास्टिक कट्टे में 15 बोतल देसी शराब बरामद हुई। आरोपी उक्त शराब के संबंध में कोई लाइसेंस या परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस द्वारा नियमानुसार नमूना लेकर शेष शराब को कब्जे में लिया गया तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई। पुलिस ने इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 97 दिनांक 06.04.2026, धारा 61-4-2020 हरियाणा आबकारी संशोधन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है तथा मामले में आगामी जांच जारी है।

बच्चे के लिए पहला गाढ़ा दूध पहले टीके के समान होता है, स्वस्थ जीवनशैली ही बेहतर भविष्य की कुंजी-डा. सपना यादव

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । विश्व स्वास्थ्य दिवस पर स्वस्थ जीवनशैली ही बेहतर भविष्य की कुंजी है। यह दिन न केवल बीमारियों की रोकथाम के प्रति जागरूक करता है, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का संदेश देता है। संतुलित आहार, नियमित योग, और सक्रिय जीवन शैली अपनाकर हम एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। यह बात संतोष हॉस्पिटल कनीना रोड अटेली की महिला चिकित्सक डा. सपना यादव ने मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सलम एरिया में लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि 2026 का थीम है कि स्वास्थ्य के लिए एकजुट। विज्ञान के साथ खड़े रहें, यह विषय वैज्ञानिक सहयोग, स्वास्थ्य विज्ञान पर विश्वास और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट होने पर जोर देता है। संगठन की स्थापना 1948 में हुई थी। इस दिन का उद्देश्य दुनिया भर के लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और सभी के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। विज्ञान व मेडिकल चिकित्सा पद्धति पर भरोसा करना चाहिए मुझे लगता है कि एक परिवार में एक महिला का स्वस्थ होना मतलब पूरे समाज का स्वस्थ होना है। बच्चे को पहले गाढ़ा दूध पहले टीके के समान होता है जो उम्र भर बीमारियों से बचाता है। उन्होंने कहा कि परंपराओं का मानना चाहिए लेकिन विज्ञान के खिलाफ नहीं होना चाहिए। जब भी जन्म के बाद मन को बुखार हो या बच्चा पड़े या मन को ज्यादा ब्लीडिंग हो तो तुरंत अस्पताल में दिखना चाहिए ना की टोने टोटकों में। स्वस्थ रहने के लिए 5 मुख्य टिप्स पौष्टिक आहार फास्ट फूड को कहें ना, हरी सब्जियां और फल अपनाएं, नियमित व्यायाम-रोजाना 30 मिनट की तेज सैर या योग करें, मानसिक शांति ध्यान करें और तनाव मुक्त रहने का प्रयास करें,पर्याप्त नींद 7-8 घंटे की गहरी नींद लें, प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप साल में कम से कम एक बार फुल बॉडी चेकअप कराएं। निष्कर्ष है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। इस विश्व स्वास्थ्य दिवस पर, आइए हम सभी यह संकल्प लें कि हम न केवल अपनी, बल्कि अपने परिवार और समाज की सेहत का भी ध्यान रखेंगे। स्लोगन है स्वास्थ्य है जीवन की सबसे बड़ी पूंजी, इसे संभालना है हमारी जिम्मेदारी।

टोहाना के गांव कन्हड़ी में शार्ट सर्किट से गेहूं कुछ खड़ी फसल हुई जल कर तबाह

किसान ने 28एकड़ में गेहूं कुछ फसल की खेती ठेके पर ली थी

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । गांव कन्हड़ी में बिजली की तारों में शॉर्ट सर्किट होने से गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई। फसल में आग लगने की यह घटना सोमवार रात करीब सवा नौ बजे हुई है। गेहूं की फसल में आग लगने की घटना का पता चलते ही गांव कन्हड़ी व राजगढ़ डोभी से सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए व आग पर काबू पाया। गनीमत रहीं कि उसी समय तेज हवाओं के बीच हल्की बारिश शुरू हो गई व आग पर काबू पाने में आसानी रहीं। पीड़ित किसान धर्मबीर पुत्र जगतू राम ने बताया उसने 28 एकड़ जमीन ठेके पर ले रखी है। सोमवार रात करीब सवा नौ बजे उनके खेत में लगे ट्रांसफार्मर की तारों में शॉर्ट सर्किट हो गया,जिससे गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई। किसान ने बताया कि जिस समय फसल में आग लगी, उसी समय वह पास के खेत में गेहूं कटाई की तैयारी में लगा था। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना अपने परिवार वालों को दी। सूचना मिलते ही गांव कन्हड़ी व राजगढ़ डोभी से सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए व अपने अपने तरीके से आग को बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों ने गेहूं डालने के लिए रखी बोरियों को पानी से गीला करके व बाल्टियों से पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। इसी दौरान हल्की बारिश भी शुरू हो गई। थोड़ी देर बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया।

केयरवेल हॉस्पिटल में रक्तदान का जज्बा, नि:शुल्क शिविर में जुटे लोग–64 यूनिट रक्त संग्रहित

भीम प्रज्ञा न्यूज.कुंड।

मनोज बुलाण । क्षेत्र के लोगों में समाज सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से केयरवेल हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर, नारनौल-रेवाड़ी रोड, कुंड बैरियर बस स्टैंड के पास में नि:शुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। शिविर के दौरान कुल 64 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होगा। कार्यक्रम के दौरान रक्तदाताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और कई लोगों ने पहली बार रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। इस अवसर पर डॉ. नवीन यादव, डॉ. शिल्पा यादव और डॉ. यशपाल पराशर उपस्थित रहे। उन्होंने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान न केवल किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है बल्कि यह एक स्वस्थ समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी है। उन्होंने युवाओं से समय-समय पर रक्तदान करने का आह्वान किया। शिविर के दौरान सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सममानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोगों और युवाओं की सहभागिता देखने को मिली, जिससे शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बामनवास हत्याकांड में न्याय की मांग तेज, युवा नेता दिनेश सहारण ने सांसद से करवाई परिजनों की वार्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

झुंझुनूं जिले के बामनवास हत्याकांड को लेकर न्याय की मांग तेज होती जा रही है। इस संबंध में युवा नेता दिनेश सहारण ने नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल से वार्ता कर मामले को उठाया और मृतक रिटायर्ड फौजी उदयवीर सिंह के परिजनों से फोन पर बात भी करवाई। सांसद बेनीवाल ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव न्याय दिलाने का भरोसा दिया। उन्होंने बताया कि घटना के दिन ही उनकी टीम को बामनवास भेजा गया था और वे स्वयं भी जल्द गांव पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि दोषियों को सख्त सजा दिलाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाएंगे।

16 अप्रैल से शुरू होगा स्व-गणना पंजीकरण

नागरिकों को मिलेगा अपनी जानकारी स्वयं दर्ज करने का अवसर

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जनगणना को अधिक सटीक, पारदर्शी और सहभागी बनाने की दिशा में प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में 16 अप्रैल से स्व-गणना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की जाएगी। नागरिक 30 अप्रैल तक पंजीकरण कर सकते है। यह जानकारी देते हुए सीटीएम गौरव गुप्ता ने बताया कि सरकार द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए स्व-गणना पोर्टल 16 अप्रैल से खोला जाएगा, जहां नागरिक स्वयं अपना पंजीकरण कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि यह पंजीकरण प्रक्रिया 30 अप्रैल तक जारी रहेगी। इस अवधि के दौरान नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आसानी से अपना पंजीकरण कर सकते हैं और आगे चलकर अपनी व्यक्तिगत व पारिवारिक जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे। इससे जनगणना प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ-साथ डेटा की सटीकता और विश्वसनीयता भी सुनिश्चित होगी। सीटीएम गौरव गुप्ता ने कहा कि स्व-गणना की यह व्यवस्था से नागरिकों को अपनी जानकारी स्वयं भरने का अवसर मिलेगा, जिससे किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना कम होगी और सही आंकड़े एकत्रित किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह डिजिटल पहल जनगणना प्रक्रिया को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस सुविधा का लाभ उठाएं और निर्धारित समयावधि में अपना पंजीकरण अवश्य करवाएं। साथ ही, अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें, ताकि अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। सीटीएम गौरव गुप्ता ने बताया कि प्रशासन द्वारा स्व-गणना को लेकर व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। विभिन्न माध्यमों से लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि हर नागरिक इस सुविधा के बारे में जानकारी प्राप्त कर सके और सरलता से इसका उपयोग कर सके।

फतेहाबाद पुलिस का साइबर अपराध और नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान तेज

गाँव जलोपुर (रतिया) में स्कूली बच्चों को साइबर सुरक्षा, डिजिटल अरेस्ट और स्वस्थ जीवनशैली की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान के तहत जिला पुलिस लगातार आमजन, विशेषकर स्कूली बच्चों को साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, नशा मुक्ति एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर रही है। इसी क्रम में थाना साइबर सेल फतेहाबाद में तैनात महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा गाँव जलोपुर (रतिया) में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों को साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं एवं उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने बच्चों व आमजन को बताया कि आजकल फर्जी कॉल, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, फेक लिंक एवं अन्य ऑनलाइन ठगी के माध्यम से साइबर अपराधी लोगों को निशाना बना रहे हैं। इस दौरान यह विशेष रूप से समझाया गया कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें तथा अपनी निजी जानकारी, बैंक विवरण या ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। कार्यक्रम में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए साइबर फ्रॉड के तरीकों के बारे में भी जागरूक किया गया। बताया गया कि ठग स्वयं को पुलिस या सरकारी अधिकारी बताकर वीडियो कॉल के माध्यम से लोगों को डराने-धमकाने का प्रयास करते हैं। ऐसी स्थिति में घबराने की बजाय तुरंत साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस थाने से संपर्क करने की सलाह दी गई। इसके साथ ही पुलिस टीम ने युवाओं को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा सकारात्मक सामाजिक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग करने तथा सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। उपस्थित लोगों को बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज के लिए भी गंभीर समस्या बनता है।महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता ने कहा कि साइबर थाना फतेहाबाद आमजन की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने अपील की कि किसी भी साइबर अपराध की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

एसडीएम आकाश शर्मा ने बायोमेट्रिक और गेट पास प्रणाली का किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने मंगलवार को अतिरिक्त अनाज मंडी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में चल रही गेहूं खरीद प्रक्रिया की बारीकियों को देखा और किसानों व आढ़तियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। एसडीएम ने विशेष रूप से बायोमेट्रिक उपस्थिति और गेट पास काटने की प्रक्रिया की जांच की, ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी भी प्रकार की तकनीकी देरी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने मार्केट कमेटी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बायोमेट्रिक सिस्टम सुचारू रूप से कार्य करना चाहिए ताकि किसान का डेटा तुरंत सत्यापित हो सके। उन्होंने गेट पास खिड़की पर तैनात कर्मचारियों को सख्त हिदायत दी कि मंडी की सीमा में प्रवेश करने वाले प्रत्येक किसान को बिना किसी देरी के गेट पास उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एसडीएम ने मंडी में अनाज के उठान की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जैसे ही गेहूं की खरीद पूरी हो, उसका उठान सुनिश्चित किया जाए ताकि मंडी में जगह की कमी न हो और आने वाले अन्य किसानों को परेशानी न हो। इसके साथ ही, उन्होंने वेट मशीनों के कैलिब्रेशन और लेबर की उपलब्धता की भी समीक्षा की। किसानों की सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने मार्केट कमेटी सचिव को निर्देश दिए कि मंडी परिसर में पेयजल, छाया और साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम रहें। उन्होंने कहा कि यदि किसी किसान को खरीद प्रक्रिया या भुगतान से संबंधित कोई समस्या आती है, तो उसका समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इस अवसर पर मार्केट कमेटी के अधिकारी और विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

छुट्टियों पर चली कैंची, शिक्षकों में उबाल-कलेक्टर दरबार पहुंचा विरोध, आंदोलन की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । 'जब फैसले जमीनी हकीकत से दूर हों, तो असंतोष का उफान स्वाभाविक है '–कुछ ऐसे ही हालात इन दिनों शिक्षा विभाग के नए शैक्षणिक कैलेंडर को लेकर देखने को मिल रहे हैं, जहां अवकाश में की गई कटौतियों ने शिक्षक वर्ग में गहरा रोष पैदा कर दिया है। राजस्थान सरकार द्वारा सत्र 2026-27 के लिए जारी शिविरा पंचांग में छुट्टियों में कटौती के फैसले के विरोध में राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत, दौसा ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए इस निर्णय को अव्यवहारिक और शिक्षकों के हितों पर सीधा प्रहार बताया है। महवा क्षेत्र से जुड़े इस विरोध में प्रदेश महासचिव तेजकरण मुण्डोतिया ने कहा कि सरकार का यह निर्णय शिक्षकों के साथ कुठाराघात के समान है, क्योंकि एक ओर जहां प्रदेश में शिक्षकों और व्याख्याताओं के हजारों पद रिक्त पड़े हैं, वहीं दूसरी ओर छुट्टियों में कटौती कर कार्यभार बढ़ाया जा रहा है, जो शिक्षा व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'कमजोर व्यवस्था को समय बढ़ाकर नहीं, बल्कि संसाधन बढ़ाकर सुधारा जाता है।' ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने मांग उठाई कि प्रधानाचार्य घोषित अवकाश पूर्व की भांति दो दिन यथावत रखे जाएं, ग्रीष्मकालीन अवकाश 17 मई से 30 जून तक तथा शीतकालीन अवकाश 26 दिसंबर से 10 जनवरी तक निर्धारित किए जाएं। उन्होंने तर्क दिया कि राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों में भीषण गर्मी के दौरान छुट्टियों में कटौती करना बच्चों के स्वास्थ्य के साथ भी गंभीर खिलवाड़ है, जिससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। प्रदेश कोषाध्यक्ष ऋषि राज यादव एवं जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि वर्तमान में भी हजारों शिक्षक गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगे हुए हैं, विद्यालयों में स्टाफ की भारी कमी है और कई स्कूल भवन जर्जर अवस्था में हैं। ऐसे में केवल कार्य दिवस बढ़ाने से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार नहीं हो सकता, बल्कि इसके लिए ठोस प्रशासनिक सुधार और पर्याप्त स्टाफ की नियुक्ति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 'ईंट कमजोर हो तो दीवार ऊंची करने से मकान मजबूत नहीं होता।' संगठन ने ज्ञापन के माध्यम से तृतीय श्रेणी शिक्षकों के लंबित स्थानांतरण शीघ्र शुरू करने, पिछले छह सत्रों से लंबित डीपीसी को जल्द पूरा करने, रिक्त पदों को भरने, शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने तथा जर्जर विद्यालय भवनों के पुनर्निर्माण की मांग भी प्रमुखता से उठाई। साथ ही चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस निर्णय को वापस नहीं लिया, तो पूरे प्रदेश में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान जिला महामंत्री निरंजन कुमार, मीडिया प्रभारी उमाशंकर मौर्य, कृष्ण यादव, अभिमन्यु यादव, रमेश चंद, राजेन्द्र यादव, संतोष बैरवा, एकीकृत महासंघ जिलाध्यक्ष तेजपाल चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस : पिता-पुत्र की मौत पर 9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा

-कोविड के दौरान नियम तोड़ने पर पुलिस हिरासत में किया गया प्रताड़ित

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडु के मदुरै की अदालत ने देश को हिला देने वाले सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में ऐतिहासिक फैसला सुनाकर 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा दी है। यह घटना 19 जून 2020 की है, जब कोविड-19 लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में पी.जयराज को पुलिस ने हिरासत में लिया। उनके बेटे जे. बेनिक्स ने विरोध कर थाने का रुख किया। आरोप है कि इसके बाद दोनों को तमिलनाडु पुलिसकर्मियों ने पूरी रात बेरहमी से प्रताड़ित किया। भारी चोटों के बावजूद पिता-पुत्र को न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जहां उनकी तबीयत बिगड़ती गई। 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना ने पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। घटना की गंभीरता को देखकर मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने स्वतः संज्ञान लेकर जांच की निगरानी की। बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। सीबीआई की चार्जशीट में खुलासा हुआ कि दोनों को बिना ठोस कारण हिरासत में लिया गया, झूठा मामला बनाकर सबूत मिटाने की कोशिश की गई। मेडिकल रिपोर्ट, गवाहों के बयान और न्यायिक मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट ने पुलिस हिरासत यातना की पुष्टि की। इस मामले की सुनवाई कई वर्षों तक चली। गवाहों से जिरह और बार-बार दायर जमानत याचिकाओं के कारण प्रक्रिया लंबी रही। अंततः 23 मार्च 2026 को अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी मानकर 6 अप्रैल को उन्हें मौत की सजा सुनाई। अदालत ने पीड़ित परिवार को 1.40 करोड़ रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यह फ़दुर्लभतम्फ मामलों में से एक है, जहां कानून के रखवाले ही अपराध में शामिल थे। यह फैसला न केवल पीड़ित परिवार के लिए न्याय का प्रतीक है, बल्कि देश में पुलिस हिरासत में होने वाली यातनाओं के खिलाफ एक कड़ा संदेश भी है।

कल्पना सोरेन का असम में जोरदार चुनाव प्रचार, किए बड़े वादे

-जेएमएम जीता तो महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपए, कल्पना सोरेन ने किया ऐलान

दरांग (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक कल्पना सोरेन ने राज्य में व्यापक प्रचार अभियान शुरू किया है। उन्होंने मजदूरों, महिलाओं और युवाओं के हित में कई बड़े वादे किए और लोगों से समर्थन मांगा। सोरेन ने चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों की न्यूनतम 500 रुपये मजदूरी देने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही महिलाओं के लिए हर महीने 2,500 रुपये सम्मान राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हर परिवार को घर मिलेगा, बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाएगी और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मजबूत विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि यह चुनाव केवल किसी एक उम्मीदवार की जीत या हार का मामला नहीं है, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान और बेहतर भविष्य की लड़ाई है। सोरेन ने जनता से अपील की कि वे इस चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा का समर्थन करें, ताकि आदिवासी समाज के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

बड़ा खुलासा ! नंदीग्राम में 95 प्रतिशत मुसलमानों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के संदर्भ में नंदीग्राम से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है, जहां वोटर लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्र की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है, लेकिन हटाए गए नामों में उनकी हिस्सेदारी 95.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके विपरीत, लगभग 75 प्रतिशत गैर-मुस्लिम आबादी के बीच नाम हटाने के मामले मात्र 4.5 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं। एक पब्लिक पॉलिसी संस्था द्वारा किए गए विश्लेषण में चुनाव आयोग के सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट डेटा का अध्ययन किया गया। सात अलग-अलग सूचियों की जांच में सामने आया कि कई मामलों में हटाए गए नामों में मुसलमानों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से लेकर 98 प्रतिशत तक रही। यह आंकड़े आबादी के अनुपात से काफी अलग तस्वीर पेश करते हैं और प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं। हालांकि, एक सूची में अपवाद भी देखने को मिला। 'लिस्ट ए9' में हटाए गए सभी नाम गैर-मुस्लिम महिलाओं के थे, जिसमें किसी भी मुस्लिम मतदाता का नाम शामिल नहीं था। इस तरह के अलग-अलग पैटर्न समग्र स्थिति को और जटिल बनाते हैं। दिसंबर 2025 के एक अन्य डेटा सेट में भी मुसलमानों की हिस्सेदारी नाम हटाने के मामलों में 33.3 प्रतिशत पाई गई, जो उनके जनसंख्या अनुपात से अधिक है, हालांकि यह अंतर सप्लीमेंट्री सूची की तुलना में कम है। पूरे घटनाक्रम पर अब तक चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रभावित मतदाताओं को ट्रिब्यूनल में अपील करने का विकल्प जरूर दिया गया है, लेकिन पारदर्शिता को लेकर बहस जारी है।

केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग शुरू होगी 10 से 12 अप्रैल के बीच

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने घोषणा की है कि केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग 10 से 12 अप्रैल के बीच शुरू होगी। यूकाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि इस बार यात्रा को सुरक्षित, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं। टिकटों की कालाबाजारी और धोखाधड़ी को रोकने के लिए यूकाडा ने इस बार 100 प्रतिशत ऑनलाइन टिकटिंग का फैसला किया है। पिछली बार की तरह इस बार भी बुकिंग का जिम्मा आईआरसीटीसी (आईआरसीटीसी) के पास ही रहेगा।

डुलानियां विद्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय डुलानियां में मंगलवार को बोर्ड परीक्षा 2026 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुमन चौधरी एवं ACBEO प्रेमचंद खन्ना के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। संस्था प्रधान सुनीता ने बताया कि कक्षा 12वीं के विशाल सोनी, नवदीप सुनिया, बिन्नु कुमारी तथा कक्षा 10वीं के वंश, आशीष कुमार व विनय को साफा, माला, प्रतीक चिन्ह व मिठाई देकर सम्मानित किया गया। प्रवेशोत्सव अभियान के तहत नवप्रवेशी विद्यार्थियों का भी अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। सुमन चौधरी ने अभिभावकों को सरकारी विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देते हुए अधिकाधिक नामांकन पर जोर दिया। कार्यक्रम प्रभारी व्याख्याता राजेन्द्र कुमार ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने व सहयोग की अपील की। इस अवसर पर अभिभावक रोहिताश कुमार, इन्द्र सोनी, राजेराम सहित विद्यालय स्टाफ के राजेन्द्र कुमार, विनिता, सुनीता चौधरी, रेशमी जांगिड़, नरेंद्र कुमार, मणी नेहरा, ज्योति भरतवाल, महेश कुमार, नवीन कुमार, शशि प्रकाश सोंकरिया, इन्दुबाला, पूजा, रक्षा, पूजा (बेसिक कंप्यूटर), मोनिका, पूनम, संगीता एवं पूनम पंचायत शिक्षक सहित अन्य मौजूद रहे।

चिड़ावा में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर: जयपुर हॉस्पिटल के पीछे रास्ता कराया मुक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर के चुंगी नाका क्षेत्र में स्थित जयपुर हॉस्पिटल के पीछे मंगलवार को नगरपालिका प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से किए गए स्थाई और अस्थाई अतिक्रमण को हटाकर रास्ते को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराया। नगरपालिका को इस मार्ग पर अतिक्रमण की लगातार लिखित शिकायतें मिल रही थीं, जिस पर संज्ञान लेते हुए टीम जेसीबी और आवश्यक संसाधनों के साथ मौके पर पहुंची। कार्रवाई के दौरान किसी भी विरोध या अव्यवस्था से निपटने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा। यह अभियान नगरपालिका के जेईएन आकाश जांगिड़ और एसआई संदीप लांबा के नेतृत्व में चलाया गया, जिसमें टीम ने व्यवस्थित तरीके से रास्ते को साफ कराया। मौके पर जमादार राजेंद्र, दीपक कुमार, मनीष पुजारी सहित नगरपालिका के कर्मचारी मौजूद रहे, वहीं सुरक्षा व्यवस्था के लिए चिड़ावा थाना पुलिस के जवान तैनात रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आम रास्तों में बाधा डालने वाले अतिक्रमण को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

डूमोली हत्याकांड में बड़ी सफलता: तीन आरोपी गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

झुंझुनूं जिले के डूमोली निवासी युवक मुकेश कुमार हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। डीएसटी स्पेशल टीम और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए इस सनसनीखेज मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को सीकर क्षेत्र से दबोचा गया। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी विजय कुमार निवासी इश्कपूरा के साथ अजीत निवासी नानूवाली बावड़ी और सोमवीर निवासी भोदन को भी हिरासत में लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से लोडेड हथियार बरामद होने की जानकारी सामने आई है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है।गिरफ्तारी के बाद डीएसटी इंचार्ज शशिकांत के नेतृत्व में पुलिस टीम आरोपियों को सिंघाना अस्पताल लेकर पहुंची, जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया। बताया जा रहा है कि पकड़ने के दौरान आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें मौके पर ही काबू कर लिया। गौरतलब है कि चार दिन पहले इश्कपूरा गांव में बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े डूमोली निवासी 23 वर्षीय मुकेश कुमार को गोली मार दी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे जाम कर विरोध प्रदर्शन किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर लगातार दबिश दी, जिसके बाद यह सफलता मिली।इस दौरान सिंघाना थानाधिकारी सीआई सुगन सिंह सहित भारी पुलिस जाप्ता अस्पताल में तैनात रहा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा।

ग्रीष्मावकाश सहित अन्य अवकाशों में मनमानी कटौती के विरोध में शिक्षकों ने काली पट्टी बांध कर जिले भर में किया विरोध

8 अप्रैल को मुख्यमंत्री के नाम से उपखंड स्तर पर उपखंड अधिकारी को दिया जाएगा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) ने शिविरा पंचांग 2026-27 में ग्रीष्मावकाश व संस्था प्रधान द्वारा घोषित अवकाश में कटौती को लेकर प्रदेश कार्यकारिणी के आह्वान पर जिले भर में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर कड़ा विरोध जताया हैं संगठन के प्रदेश मुख्य महामंत्री उम्मेद सिंह डूडी एवं झुंझुनूं जिला अध्यक्ष अशोक कुलहरि का कहना हैं की राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों व भीषण गर्मी को देखते हुए जून माह में विद्यालय खोलना पूर्णतया अव्यावहारिक है।क्षेत्रीय व स्थानीय उत्सवों एवं आयोजनों में राजकीय अवकाश नहीं होने पर भी वहाँ के शत प्रतिशत बालकों की भागीदारी उसमें रहती है,इसी कारण से संस्था प्रधान द्वारा दो अवकाश घोषित किए जाने का प्रावधान रखा गया था विभाग के अधिकारियों द्वारा बिना नियम के इसमें कटौती किया जाना समझ से परे हैं। शिक्षा विभाग द्वारा इस प्रकार के गलत व अव्यावहारिक निर्णय लेने से सरकार की छवि भी धूमिल हुई है। इसको लेकर संगठन के आह्वान पर झुंझुनूं जिले में मंगलवार को शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर आंदोलन का बिगुल बजा दिया है जिला मंत्री सुदेश यादव ने बताया की आंदोलन के आगामी चरणों में 8 अप्रैल को सभी उपशाखा स्तर पर उपखंड अधिकारी को व 20 अप्रेल को जिला स्तर से जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा।

उम्मेद सिंह डूडी प्रदेश संघर्ष समिति संयोजक ने बताया कि 18 मई को शिक्षा मंत्री के विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी में विरोध प्रदर्शन करते हुए विशाल शिक्षक रैली निकाली जाएगी।

उपनिरीक्षक कुलदीप को निरीक्षक पद पर पदोन्नति, पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर ने दी बधाई

कर्तव्यनिष्ठ और परिश्रमी अधिकारी के योगदान को सराहा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस विभाग में उत्कृष्ट कार्य, अनुशासन एवं निरंतर बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए उपनिरीक्षक कुलदीप को निरीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर, आईपीएस ने उन्हें हार्दिक बधाई दी तथा स्टार लगाकर सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक ने इस मौके पर कहा, 'कुलदीप जैसे समर्पित और ईमानदार अधिकारी हमारे विभाग की बड़ी ताकत हैं। उनके उत्कृष्ट कार्य और अनुशासन ने इस पदोन्नति को पूरी तरह सार्थक बनाया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि वे अपनी नई जिम्मेदारियों का निर्वहन भी पूरी निष्ठा और तत्परता के साथ करेंगे।' पदोन्नत अधिकारी कुलदीप ने पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी कुलदीप को बधाई दी। मिठाई वितरण के साथ यह अवसर आपसी सौहार्द, टीम भावना और उत्साह को बढ़ाने वाला रहा।

झोला पुस्तकालय के जन्मदाता बुद्धशरण हंस

भीम प्रज्ञा विशेष सर्च रिपोर्ट।

डॉ. रूपचंद गौतम । वरिष्ठ पत्रकार मोहनदास नैमिशराय एक बार कह रहे थे बुद्धशरण हंस आइएएस हैं पर उनका रहन-सहन उस तरह का नहीं जैसे कि एक आइएएस का होता है। बात तो नैमिशराय जी की सही थी। मैं भी उनके निवास स्थान पर गया था। पहनावे से लेकर रहन-सहन तक एकदम सदा था। वैचारिक दृष्टि से देखा जाए तो 'हंस' जी एक प्रशासनिक अधिकारी के साथ-साथ एक कुशल संपादक, लेखक और दाशर्निक भी थे। यही स्थिति डॉ. धर्मवीर की बड़े ही नजदीकी से मैंने महसूस की थी। ये दोनों आईएएस दलित समाज के अन्य आइएएस व्यक्तियों की तरह नहीं थे। ये दिखावा में तनीक भी विश्वास नहीं करते थे। इनका विश्वास बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के मिशन में था। झोला पुस्तकालय का विचार देने वाले बुद्धशरण हंस पहले दलित थे। बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर को आत्मसात करके दलित समाज के गिने-चुने लोगों ने किताबें लिखनी प्रारंभ की, तो कुछ ने अपने घरों में किताबें रखनी प्रारंभ की पर जिले से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर पुस्तकाल का निर्माण नहीं कर सके। आज देश में ऐसा पुस्तकालय नहीं है जहां अनुसूचित जाति वर्ग के समाचार पत्र-पत्रिकाएँ एवं पुस्तकों को शोधार्थी एक जगह बैठकर पढ़ सके। यह सच है कि पुस्तकालय खोलने के लिए मकान चाहिए, अलमीरा चाहिए, फर्निचर चाहिए। इतना न होने के कारण बुद्धशरण हंस जी ने झोला पुस्तकालय प्रारंभ किया। हंस जी का कहना था कि एक झोले में दस किताब रख लो और आगे लोगों को पढ़ाओ। दस के बाद फिर दस और दे दो। पुरानी दस लेकर आगे दे दो। इस तरह झोला पुस्तकालय पटना में एक आइएएस अधिकारी द्वारा प्रारंभ हुआ। ऐसा काम न किसी प्रोफेसर ने किया और न ही किसी आइपीएस ने। अधिकारी नेताओं की चरण बंदना करने में मस्त रहे और नेता अपने आलाकमान के गुण-गान में। दलित समाज के अधिकांश नेता बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर का नाम जरूर लेते रहे पर ऐसा काम किसी ने नहीं किया जो बुद्धशरण हंस जी ने किया। हंस जी का कहना था कि पुस्तकालय का अभाव, झोला पुस्तकालय। इसके बाद बक्सा पुस्तकालय। अलमीरा पुस्तकालय, फिर होल पुस्तकालय होगा। होल पुस्तकालय स्थापित करने से पहले ही हंस जी हम सब से विदा हो गए पर जिम्मेदारी जरूर देकर गए देखते हैं कितने लोग हंस जी के विचार को आगे ले जाएंगे?

बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर ने अपने जीवन में समाज को जागृत करने के लिए एक नहीं पूरे पाँच समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएँ प्रकाशित की थी। उन्होंने पीपुल्स एजुकेशन सोसायटी बनाकर कई महाविद्यालय स्थापित किए। आइएएस, आइपीएस, पीसीएस, डॉक्टर, वकील, इंजीनियर एवं प्रोफेसर आदि ने विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय की तो बात ही छोड़िए एक भी ऐसा समाचार पत्र एवं पत्रिका भी प्रकाशित नहीं की, जिसका राष्ट्रीय स्तर पर नाम लिया जा सके। शोध संस्थान के लिए भी ऐसे अधिकारी, समाज सेवी, नेता कोई प्रयास नहीं कर सके। हंस जी जैसे आइएएस नहीं बन सके। हंस जी अपनी बात को तर्क के साथ कहते थे। उनकी भाषा किसी को चुभती नहीं थी। अपने स्तर पर 'अम्बेडकर मिशन पत्रिका' जब से प्रारंभ की वह आज भी पाठकों के हाथों में बखूबी पढ़ी जा सकती है। जितने हंस जी भाषा से मजबूत थे उतने ही चरित्र से भी। बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के विचार को दरकिनार करते हैं आइएएस, आइपीएस ने ऐसा वर्ग बना लिया जिसमें गरीब आदमी झांक भी नहीं सकता। सूट-बूट और अच्छे कोठी-बंगले में रहने लगे। भोज का मृत्यु से कोई संबन्ध नहीं है। किसी का बेटा मर गया तो वह कई दिनों तक कुछ नहीं खाता। धीरे धीरे वह चाय पीने लगता है। इसके विपरीत भोज है। मरने का मतलब आर्थिक सम्पन्नता चले जाना। कमाने लायक है तो वह चला गया। पेशनर है तो वह चला गया। कुछ नहीं तो सलाहा देने वाला चला गया। शोक बढ़ गया। खाना प्रसन्ता का प्रतीक हैं। जब भी कोई खाता है तो प्रसन्न होकर ही खाता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए खाता है। अच्छे मेल-मिलाप के लिए खाता है। किसी के घर जाते हैं तो बात से पहले कुछ खा ले। खाने का सम्बंध सुख से है। मृत्यु के बाद दुःख से है। मृत्यु भोज का विचार ब्राह्मण के दिमाग की उपज है। हमें आर्थिक दंड देने के लिए मृत्युभोज ब्राह्मण का एक षडयंत्र है। मौत के समय आदमी बहुत कमजोर हो जाता है। मृतक भोज सामाजिक अपराध है। हमने शैक्षिक संस्थानों की तरह ध्यान नहीं दिया। अपने-अपने क्षेत्र के लोग शैक्षिक संस्थान खोलते तो हमारे समाज की शिक्षा मजबूत होती। बेरोजगारी कम होती। बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के साथ हंस जी के विचार सफल होता। बहुजन समाज के पढ़े-लिखे युवा कांवड़ लेने व हिंदू कर्मकांडों में लिप्त होने लगे। पुजारी दस बजे के बाद मंदिर का ताला लगा देता है। शमशान घाट का ताला लगा देता है। यदि इन्होंने यह सोचा होता कि भगवान अपनी रक्षा खुद नहीं कर सकता तो हमारी क्या करेगा? सच कहा जाए तो हंस जी पत्रिका के माध्यम से वर्तमान को सदैव लोगों को सचेत करते रहे। जैसे-जैसे हंस जी को पढ़ेंगे वैसे-वैसे उनके विचार हमें झकझोरते रहेंगे।

फतेहाबाद पुलिस का नशा तस्करों पर प्रहार: 60 किलो चूरा पोस्त मामले में मुख्य सप्लायर 'शेर सिंह' काबू

पुलिस टीम ने नेटवर्क खंगालते हुए हिसार के मुलापुर निवासी सप्लायर को दबोचा

कार से 60 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामदगी मामले में पहले गिरफ्तार आरोपी 'अनूप' से पुछताछ पर हुई कार्यवाही-

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस के नेतृत्व में जिला पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे जीरो टॉलरेंस अभियान के तहत, थाना सदर फतेहाबाद की टीम ने मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले में मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शेर सिंह उर्फ शेरा पुत्र आत्मा राम, निवासी मुलापुर, जिला हिसार के रूप में हुई है। थाना सदर प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने जानकारी देते हुए बताया कि 04 अप्रैल 2024 को पुलिस टीम ने बड़ोपल-कुम्हारिया रोड पर नाकाबंदी के दौरान एक सफेद रंग की एस एक्स 4 कार (एच आर80-3663) को काबू किया था। कार की तलाशी लेने पर पिछली सीट और डिग्गी से 5 प्लास्टिक कट्टों में कुल 60 किलोग्राम चूरा पोस्त (डोडा पोस्त) बरामद हुआ था। जिस पर थाना सदर फतेहाबाद में अभियोग संख्या-134 /2024 धारा 15 सी/27ए/61/85 हएनडीपीएस एक्ट ,के तहत दर्ज कर कार चालक अनूप कुमार निवासी ढाणी बड़ोपल को गिरफ्तार किया था। अब इसी मामले में मुख्य सप्लायर हिसार के मुलापुर निवासी शेर सिंह उर्फ शेरा को गिरफ्तार किया गया है । आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर नियमानुसार आगामी कार्यवाही की जाएगी । मामले की जाँच जारी है ।

फतेहाबाद पुलिस का संकल्प- एसपी श्रीमति निकिता खट्टर ने स्पष्ट किया है कि पुलिस केवल नशे की खेप पकड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि उस मुख्य स्रोत (सप्लायर) को खत्म करने पर ध्यान दे रही है जहाँ से यह नशा सप्लाई होता है। जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए पुलिस की टीमें पड़ोसी जिलों और राज्यों में भी सक्रियता से छापेमारी कर रही हैं।

घुसपैठ और तस्करी पर लगाम लगाने भारत-बांग्लादेश सीमा पर छोड़े जाएंगे सांप-मगरमच्छ !

-175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका, सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर घुसपैठ और तस्करी पर लगाम कसने पारंपरिक बाड़ और टेक्नोलॉजी के अलावा प्रकृति का खतरनाक हथियार इस्तेमाल करने की तैयारी चल रही है। खबर है कि बीएसएफ ने अपने फील्ड यूनिट्स को निर्देश दिया है कि वे नदी और दलदली इलाकों में सांप और मगरमच्छ जैसे सरीसृपों के इस्तेमाल की संभावनाओं का अध्ययन करें। भारत-बांग्लादेश की 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा में करीब 175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका है, जहां बाढ़ और भौगोलिक स्थिति के कारण सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं होता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में बीएसएफ अब प्रकृति को ही सुरक्षा का हथियार बनाने की सोच रही है। माना जा रहा है कि अगर यह योजना लागू होती है, तो घुसपैठियों के लिए सीमा पार करना पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक हो सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के बाद यह विचार सामने आया है। 26 मार्च को बीएसएफ मुख्यालय से भेजे गए एक आंतरिक संदेश में कहा गया है कि जिन नदी वाले इलाकों में बाड़ लगाना संभव नहीं है, वहां 'प्राकृतिक अवरोध' के तौर पर सांप और मगरमच्छ जैसे जीवों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, फिलहाल यह योजना केवल चर्चा और व्यवहार्यता जांच के स्तर पर है, इसे लागू करने का कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

बता दें इस साल फरवरी में दिल्ली स्थित बीएसएफ मुख्यालय में हुई बैठक के बाद यह कम्युनिकेशन जारी किया गया। संदेश में सीमा चौकियों को 'डार्क जोन' के रूप में चिन्हित करने और वहां रहने वाले गांववालों के खिलाफ दर्ज मामलों की रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बीएसएफ के एक अधिकारी ने साफ किया कि अभी यह सिर्फ चर्चा का विषय है। अभी तक सांप-मगरमच्छ तैनात करने का कोई आदेश नहीं दिया गया है। सिर्फ संभावना तलाशने को कहा है। इसमें कई चुनौतियां हैंज्सरीसृपों को कहां से लाया जाए, उनका रखरखाव कैसे हो और नदी किनारे रहने वाले स्थानीय लोगों पर इसका क्या असर पड़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर यह योजना लागू हुई तो घुसपैठिए और तस्करों के लिए भारत में घुसने का ख्याल आते ही वह कांप जाएंगे। नदी के पानी में मगरमच्छ और घने जंगलों में जहरीले सांप हैज्यह सोचकर ही कोई भी गैरकानूनी तरीके से सीमा पार करने से पहले कई बार सोचेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि नदी वाले इलाकों में जहां फेंसिंग नहीं लग पाती, वहां प्राकृतिक बाधाएं काफी प्रभावी साबित हो सकती हैं, लेकिन साथ ही यह भी चिंता जताई कि बाढ़ के समय ये सरीसृप दोनों तरफ के गांवों के लिए खतरा बन सकते हैं।

बीएसएफ अधिकारी मानते हैं कि सांप और मगरमच्छ तैनात करना आसान नहीं होगा। इनकी खरीद, रखरखाव, प्रजनन और स्थानीय पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखना होगा। साथ ही बाढ़ के मौसम में इनके गांवों में घुस आने का खतरा भी बना रहेगा। फिलहाल यह प्रस्ताव चर्चा के चरण में है। बीएसएफ पूर्वी कमांड को डार्क जोन की मैपिंग करने और रिपोर्ट देने को कहा गया है।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और गुजराज टाइटंस में मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला गुजराज टाइटंस से होगा। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मैच में दिल्ली की टीम को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसका लक्ष्य इस मैच को किसी भी प्रकार जीतना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की टीम भी इस मैच को जीतकर लय हासिल करना चाहेगी। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच ही 7 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 4 गुजरात जबकि 3 दिल्ली ने जीते हैं। दोनो के बीच पिछला मुकाबल साल 2025 में हुआ था जिसमें गुजरात जीती थी।

इस बार हालांकि हालात अलग हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ। ऐसे में गुजरात के बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना कठिन होगा। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी अच्छे फार्म में हैं। रिजवी ने पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। उसके पास के एल राहुल जैसा शीर्ष स्तर का बल्लेबाज भी है। राहुल हालांकि इस सत्र में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनका लक्ष्य लंबी पारी खेलना रहेगा। तीसरे नंबर पर नीतीश राणा पर भी इस मैच में रन बनाने का दबाव रहेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने यहां पिछले मैच में अपनी लय हासिल कर ली थी, जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। दिल्ली के सलमी बल्लेबाजों को पावरप्ले में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजों कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज से सावधान रहना होगा।

दिल्ली कैपिल्स की गेंदबाजी लुंगी एनगिडी, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव पर निर्भर करेगी। कप्तान अक्षर पटेल भी एक अच्छे स्पिनर हैं और उनका भी सहयोग मिलेगा। इसके अलावा टीम के पास टी नटराजन जैसा तेज गेंदबाज भी है। वहीं शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स इस बार एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे हैं। टीम अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों साई सुदर्शन और शुभमन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम भी अबतक विफल रहा है।

गुजरात की टीम अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पायी। टीम के पास ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी हैं पर अब तक ये रन नहीं बना पाये हैं। कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछले मैच से बाहर थे पर इस मैच से उनकी वापसी तय है। गुजरात के बल्लेबाजों ही नहीं गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। सिराज और रबाडा दोनो ही अब तक विकेट लेने में तो सफल रहे हैं पर इन्होंने काफी रन दिये हैं। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं है। केवल स्पिन राशिद और युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा अब तक अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं।

इस प्रकार देखा जाये तो इस मैच में दिल्ली जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। ऐसे में गुजरात को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, पृथ्वी राज येरा, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अरशद खान।

विराट और अनुष्का के फिल्म धुरंधर की प्रशंसा से उत्साहित हैं आदित्य धर

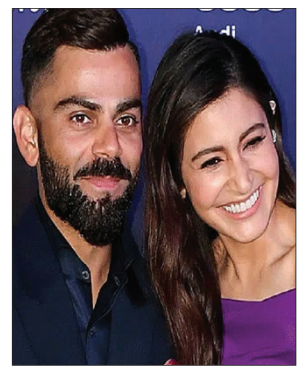

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने डायरेक्टर आदित्च धर की फिल्मी 'धुरंधरः द रिवेंज' की जमकर प्रशंसा की है। इसी को लेकर आदित्य धर भी उत्साहित हैं।

अदित्य ने कहा कि जिस प्रकार से कोहली ने कहा कि उन्होंने भारत में इससे पहले ऐसी फिल्म नहीं देखी से उनका हौंसला बढ़ा है। आदित्य धर ने लिखा, 'वाह ! भरोसा नहीं हो रहा कि ये सच में हो रहा है विराट, इसका मेरे लिए बहुत मतलब है। मैं आपका अंडर-19 विश्व कप के दिनों से प्रशंसक हूं।'

उन्होंने साथ ही लिखा, 'एक पीढ़ी में एक बार आने वाले लीजेंड को इस तरह प्यार दिखाते देखना अलग ही एहसास है। जिस तरह आप हर बार देश का नाम रोशन करते हैं, वो हमें भी प्रेरित करता है। इसी प्रकार हम भी अपनी फिल्मों के जरिए भारत का नाम ऊंचा करने का प्रयास करते रहेंगे जय हिंद।'

आदित्य ने अनुष्का की तारीफ का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने फिल्म में एक्टिंग की सराहना की थी। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए निर्देशक ने लिखा, 'इतनी बेहतरीन कलाकार से ऐसी प्रतिक्रिया मिलना वाकई भावुक कर देने वाला अनुभव है। बहुत-बहुत धन्यवाद।'

इससे पहले विराट ने फिल्म को बेमिसाल सिनेमाई अनुभव बताया था। उन्होंने कहा था कि करीब चार घंटे की फिल्म के दौरान वह एक बार भी नहीं हिले और रणवीर सिंह के अभिनय को उन्होंने शीर्ष स्तर का बताया। अभिनेत्री अनुष्का ने भी फिल्म की सोच और क्राफ्ट की तारीफ की थी। उन्होंने इसे 'रोमांचक और डूब जाने वाला' बताया और आदित्य की सोच और कास्ट की एक्टिंग की सराहना की थी।

20 अप्रैल के बाद ही खेल पायेंगे दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज स्टार्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिल्स टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अभी फिट नहीं हैं और ऐसे में वह अगले तीन मैचों में नहीं खेलेगे। दिल्ली कैपिटल्स के लिए ये करारा झटका है क्योंकि स्टार्क उसके सबसे अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली को बुधवार को गुजरात टाइटंस से खेलना है जिसमें उसे स्टार्क की कमी खलेगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार स्टार्क इस समय कंधे और कोहनी की चोट से जूझ रहे है। माना जा रहा है कि वह 20 अप्रैल के बाद ही खेलने के लिए फिट हो पायेंगे। वहीं इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को तीन मैच खेलने हैं जिसमें उसे इस तेज गेंदबाज के बिना उतरना होगा। उसे 8 अप्रैल को गुजरात टाइटंस, 11 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स और 18 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मुकाबला करना है। स्टार्क के बाहर होने के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीत लिए हैं जिससे उसका मनोबल मजबूत हुआ है।

टीम ने गेंदबाजी में मुकेश कुमार, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और विप्राज निगम को शामिल किया है। स्टार्क के टीम में जुड़ने से दिल्ली की गेंदबाजी की धार बढ़ेगी।

इससे पहले स्टार्क ने कहा था कि वह केवल फिटनेस के कारण बाहर हैं। इसका कोई और मतलब नहीं निकालें। स्टार्क ने लिखा कि मीडिया में उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाये जा रहे हैं पर ये गलत है वह केवल फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम, खेलेगी चार मैचों की सीरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम इस महीने चार मैचों की सीरीज के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। यह सीरीज 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स स्थित सिनार्ड में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारत अपने घरेलू मैदान पर मजबूत दक्षिण अमेरिकी टीम अर्जेंटीना से भिड़ेगा, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को खेले जाएंगे, जिनका समय स्थानीय समयानुसार सुबह 11ः00 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 6ः30 बजे) रहेगा।

भारत और अर्जेंटीना के बीच पिछले कुछ वर्षों में कड़े मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के दौरान 2-2 से ड्रॉ मुकाबला भी शामिल है, जिसका फैसला शूटआउट से हुआ था। यह दौरा भारत के लिए उच्च स्तर की अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच अभ्यास का अवसर प्रदान करेगा और हॉकी इंडिया की रणनीतिक योजना के अनुरूप टीम को 2026 के एफआईएच हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड) और इस साल होने वाले एशियाई खेलों से पहले लय हासिल करने में मदद करेगा।

यह सीरीज भारत के लिए काफी अहम तैयारी साबित होगी, जिसमें टीम को चार तेज-तर्रार मैच खेलने का मौका मिलेगा। साथ ही, कोचिंग स्टाफ को खिलाड़ियों के विभिन्न संयोजन और रणनीतियों को आजमाने का अवसर भी मिलेगा, क्योंकि टीम अपने कैलेंडर के महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रही है।

दौरे को लेकर भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच श्योर्ड मारिन ने कहा, 'हम 24 खिलाड़ियों के दल के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं और यह एक सोचा-समझा फैसला है। इस दौरे का मकसद ज्यादा खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर प्रदर्शन का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और वहां का माहौल हमें बताएगा कि हर खिलाड़ी किस स्तर पर खड़ा है। हम देखना चाहते हैं कि दबाव के समय कौन खिलाड़ी आगे आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस टीम में जगह बनाने के लिए सबसे पहले एक टीम खिलाड़ी होना जरूरी है। व्यक्तिगत क्षमता महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि आप टीम के साथ तालमेल नहीं बैठा सकते और एक-दूसरे के लिए काम नहीं कर सकते, तो इस टीम में जगह बनाना मुश्किल होगा।'

दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर गिरफ्तार

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर पर ड्रिंक एंड ड्राइव का गंभीर आरोप लगा है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे मारूब्रा इलाके में रैंडम ब्रीथ टेस्टिंग के दौरान वॉर्नर को रोका गया। पुलिस ने बयान में बताया कि वॉर्नर की कार टेस्टिंग पॉइंट से पहले ही रुक गई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने उन्हें चेक किया। रोडसाइड टेस्ट में वॉर्नर का रिजल्ट पॉजिटिव आया। इसके बाद उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां दोबारा टेस्ट में उनका अल्कोहल लेवल 0.104 पाया गया। यह ऑस्ट्रेलिया की कानूनी सीमा से दोगुने से भी ज्यादा बताया जा रहा है। इस मामले में उन्हें कोर्ट में पेश होने का नोटिस जारी किया गया है। डेविड वॉर्नर को डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में पेश होना होगा। फिलहाल इस मामले ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है, क्योंकि वॉर्नर का नाम हमेशा बड़े खिलाडियों में गिना जाता रहा है।

सैमसन के कमजोर प्रदर्शन से चिंतित नहीं कोच फ्लेमिंग

बेंगलुरु। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने ट्रेड डील के जरिये हासिल किया था पर वह शुरुआती तीनो ही मैचों में असफल रहे हैं। जिससे सीएसके को भी काफी नुकसान हुआ है और टीम तीनो मैचों में हारी है हालांकि सैमसन की इस प्रकार असफल होने से टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग चिंतित नहीं हैं। फ्लेमिंग का कहना है कि सैमसन के तीन मैच के खराब प्रदर्शन से परेशान होने की जरुरत नहीं है। कोच ने कहा कि

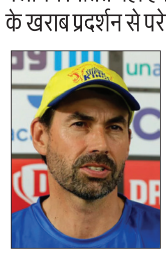

वह हाल ही में टीम में आये हैं और टीम के माहौल के अनुसार रहने की प्रक्रिया से गुजर रहा है पर रन बनाने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। सैमसन अब तक तीन मैचों में छह, सात और 9 रन ही बना पाये हैं। फ्लेमिंग ने कहा, जब आप किसी फ्रेंचाइजी में लंबे समय से खेल रहे हों तो फिर किसी नई टीम में जाने के बाद एकदम से अलग माहौल मिलता है जिससे ढलने में समय लगता है। भले ही वह शायद काफी सहज महसूस करता हो, फिर भी अपनेपन की भावना बनी रहती है और वह इस टीम के माहौल में ढलने की प्रक्रिया से गुजर रहा है। फ्लेमिंग ने कहा कि ये विकेटकीपर बल्लेबाज हासिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, टीम पांच या छह बदलाव हुए हैं। ऐसे में टीम में बेहतर तालमेल बिठाने के लिए अभी और प्रयास करना होगा। वह टीम में बहुत अच्छे से घुल-मिल गया है। फ्लेमिंग ने कहा, वह रन बनाने और सीनियर खिलाड़ियों के साथ योगदान देने के लिए तैयार हैं। हमने विश्व कप में उसके प्रदर्शन में देखा कि जब वह लय में आ जाता है तो वह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए इस खिलाड़ी को प्रबंधन की ओर से अपने अनुसार खेलने की आजादी है। वहीं लीग में अब तक रन नहीं बना पाये युवा आयुष म्हात्रे को लेकर फ्लेमिंग ने कहा कि उसके जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ धैर्य रखने की जरूरत है जिससे वे निरंतरता हासिल कर सकें। म्हात्रे ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अर्धशतक बनाया था लेकिन बेंगलुरु के खिलाफ वह एक रन ही बना पाए थे। उन्होंने कहा, हमारी टीम में अच्छा संतुलन है। हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और हमें यह स्वीकार करना होगा कि गलतियां भी होंगी। हमारे पास माइक हसी के रूप में एक बहुत अच्छा मार्गदर्शक है, जो एक बेहतरीन बल्लेबाजी कोच हैं और खेल की अच्छी समझ रखते हैं।

अश्विन ने आईपीएल से संन्यास के कारणों का खुलासा किया

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने साल 2025 में अचानक ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा कर सभी को हैरान कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि वह विदेशी लीग में खेलने के लिए ये कदम उठा रहे हैं। वहीं अब एक साल बाद अश्विन ने खुलासा किया है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहते हुए उन्हें मानसिक परेशानी के दौर से गुजरना पड़ा था जिसके कारण उन्हें सन्यास की घोषणा करनी पड़ी। अश्विन के अनुसार अगर उस तरह की परेशानी नहीं आती तो वह इतनी जल्दी आईपीएल नहीं छोड़ते और कुछ समय इस लीग में बने रहते। अश्विन ने साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके एक साल बाद उन्होंने आईपीएल से भी संन्यास की घोषणा कर दी थी। इस स्पिनर ने कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने के संशय से बचाने के लिए स्वयं ही आईपीएल छोड़ दिया था।

अश्विन ने कहा, मेरा सीएसके के साथ सत्र अच्छा नहीं रहा था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से निराशाजनक सत्र था। सच कहूं तो मुझे लग रहा था कि मैं और खेल सकता हूं पर मैंने अचानक ही इसलिए संन्यास ले लिया क्योंकि में भावनात्मक रूप से कई अन्य चीजों को साथ लेकर नहीं खेल सकता था। अश्विन ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा करने से पहले 2025 के सत्र में कम अवसर किए जाने के बाद सीएसके से कहा था कि उनकी भूमिका को स्पष्ट किया जाये। वह सीएसके के 14 मैचों में से केवल 9 मैच में ही खेले थे। सीएसके से ही उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी, इसलिए वह इस टीम से भावनात्मक रुप से जुड़े थे। उन्होंने कहा, मैं वहां नहीं जाना चाहता। यह मानसिक रूप से परेशान करने वाला है। यह मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था। मैं वहां नहीं जाना चाहता था। मैंने थोड़ी चर्चा की और फिर फैसला किया कि मैंने चेन्नई से शुरुआत की है और मैं अपने गृहनगर में ही इसे समाप्त कर रहा हूं। अश्विन ने कहा, मैंने संन्यास लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि इससे उन्हें मुझे टीम में बनाए रखने या बाहर करने का फैसला लेने के लिए दुविधा में नहीं पड़ना पड़ा। इसके अलावा मेरे संन्यास लेने से उनकी 10 करोड़ रुपये की बचत भी हुई।

कप्तान के तौर पर ईशान किशन जबरदस्त रहे हैं, वह सलाह भी मांगते हैं : हेनरिक क्लासेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के बड़े-बड़े शॉट लगाने वाले बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कप्तान ईशान किशन की जमकर तारीफ की है। उन्होंने किशन को एक बेहतरीन कप्तान बताया और कहा कि जिस तरह से टीम इस युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज का साथ देती है, वह 'बस जबरदस्त' है। इसके अलावा फैसले लेने में उनकी शांति और टीम में मौजूद अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करने की उनकी इच्छा भी काबिले-तारीफ है।

किशन को SRH का अंतरिम कप्तान बनाया गया था क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस कमर की चोट से उबरने की वजह से शुरुआती मैचों के लिए उपलब्ध नहीं थे। उनकी कप्तानी में स्त्रा ने एक मैच जीता है, जबकि दो मैच हारे हैं और पॉइंट्स टेबल पर 5वें स्थान पर है।

क्लासेन ने कहा, 'देखिए, मुझे लगता है कि अब तक वह बहुत बढ़िया रहे हैं। वह ऐसे इंसान हैं जो सलाह मांगते हैं। जैसा कि मैंने कहा, हमारे ड्रेसिंग रूम में बहुत अनुभव है। इसलिए वह उस अनुभव का फायदा भी उठाते हैं। लेकिन उनके फैसले लेने का तरीका, जिस तरह से वह गेंदबाजों को बदलते हैं और जिस तरह से टीम उनकी बात सुनती है, वह अब तक बस जबरदस्त रहा है।'

उन्होंने कहा, 'तो जैसा कि मैंने कहा कि टीम बहुत अच्छे हाथों में है और अच्छी बात यह है कि वह बिल्कुल भी घमंडी इंसान नहीं हैं, जिससे चीजें काफी आसान हो जाती हैं। उनकी कप्तानी में खेलना सच में बहुत मजेदार होता है। इसलिए बीच-बीच में काफी मजाक-मस्ती होती रहती है ताकि माहौल ज्यादा गंभीर न हो जाए, क्योंकि मुझे लगता है कि यह माहौल कभी-कभी खेलने के लिए काफी मुश्किल हो सकता है।'

क्लासेने ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह बहुत बढ़िया रहे हैं और घरेलू क्रिकेट में भी उन्हें काफी सफलता मिली है। मुझे लगता है कि उनकी घरेलू टीम ने एक टूर्नामेंट जीता था (झारखंड ने उनकी कप्तानी में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी)। तो इस मामले में उनके पास काफी अनुभव है। लेकिन अब तक, मुझे उनकी कप्तानी में सच में बहुत मजा आया है और वह अब तक जबरदस्त रहे हैं।'

बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप से मिश्रित युगल जोड़ियां बाहर

निंगबो। भारत की बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप 2026 के मिश्रित युगल में शुरूआत निराशाजनक रही जब उसकी दोनों जोड़ियां मंगलवार को पहले दौर से हारकर बाहर हो गई। रोहन कपूर और रूत्विका शिवानी गाडे की जोड़ी मलेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त गोह सून हुआत और लेइ शेवोन जैमी की जोड़ी से 34 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 19-21 से हारकर बाहर हो गई। एक अन्य मैच में असित सूर्या और अमृता प्रथमेश की जोड़ी मलेशिया के वोंग तियेन सि और लिम चियू सियेन से 31 मिनट में 16-21, 15-21 से हार गई। एकल वर्ग के मुकाबले बुधवार से शुरू होंगे। पुरूष एकल में आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप उपविजेता लक्ष्य सेन का सामना हांगकांग के ली चियुक यू से होगा। वहीं महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से खेलेंगी। भारत की पुरूष टीम में सेन के अलावा किदाम्बी श्रीकांत, एच एस प्रणय और आयुष शेट्टी भी हैं। वहीं महिला टीम में सिंधू के साथ तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा और मालविका बंसोड़ हैं।

आवेश बल्ला जमीन पर मारने के कारण विवादों में आये

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज आवेश खान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच में आचारसंहित उल्लंघन के आरोप लगे हैं। इस मैच के अंतिम ओवर के दौरान जैसे ही कप्तान ऋषभ पंत ने विजयी रन बनाये। आवेश ने जीत की खुशी में बल्ला मैदान पर मार दिया। इसी को लेकर आपत्ति जतायी जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि आवेश इस प्रकार की हरकतें पहले भी करते रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इस प्रकार से बल्ला मारे जाने को नियमों का उल्लंघन करार दिया है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि पेनल्टी के रूप में विरोधी टीम को 5 रन दिए जाने चाहिए थे। वहीं पूर्व अंपायर अनिल चौधरी ने आवेश खान ने सच में नियमों का उल्लंघन किया है। चौधरी का कहना है, 'आवेश ने जल्दी जश्न मनाते हुए बल्ला मैदान पर लगा दिया। पहले भी एक मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने जीतने के बाद हेलमेट फेंक दिया था, जिसके बाद उन पर फाइन लगा था। उन्हें इस प्रकार नियमों का उल्लघन नहीं करना चाहिये।' वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सनराइजर्स हैदराबाद के प्रबंधन ने आवेश के व्यवहार पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इस मामले की शिकायत भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई से की जाएगी।

क्या बदलेगा आईपीएल का पूरा फार्मेट? ललित मोदी के दावे से मचा हड़कंप, हजारों करोड़ हैं दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है और इस बार वजह है लीग के पूर्व आयुक्त ललित मोदी का बड़ा दावा। उन्होंने कहा है कि मौजूदा प्रारूप के कारण लीग हर साल हजारों करोड़ रुपये के अतिरिक्त राजस्व से वंचित हो रही है।

बता दें कि हाल ही में दो टीमों की ऊंची कीमत पर बिक्री के बाद आईपीएल की कुल वैल्यू को लेकर काफी उत्साह देखा गया, लेकिन ललित मोदी का मानना है कि मौजूदा ढांचा पूरी क्षमता के हिसाब से काम नहीं कर रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने यह सवाल उठाया है कि जब लीग में टीमों की संख्या बढ़कर दस हो चुकी है, तो फिर सभी टीमों के बीच पूरा घरेलू और बाहरी मुकाबलों का प्रारूप क्यों लागू नहीं किया जा रहा है।

गौरतलब है कि आईपीएल की शुरुआत में हर टीम के लिए तय था कि वह बाकी सभी टीमों के खिलाफ दो-दो मुकाबले खेलेगी। अगर इसी मॉडल को लागू किया जाए तो लीग चरण में कुल मुकाबलों की संख्या करीब 90 तक पहुंच सकती है, जिसके बाद नॉकआउट मुकाबले होते हैं। लेकिन फिलहाल लीग 74 मुकाबलों के साथ ही चल रही है, जिससे कई संभावित मैच कम हो जाते हैं।

ललित मोदी का कहना है कि हर मुकाबले से मिलने वाली आय का बड़ा हिस्सा सीधे बोर्ड और टीमों को जाता है। ऐसे में जब मैच कम होते हैं तो सीधा असर टीमों की कमाई और उनकी वैल्यू पर पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ खेल का मामला नहीं बल्कि एक व्यावसायिक समझौता है, जिसमें टीमों को घरेलू और बाहरी दोनों तरह के मुकाबले मिलने चाहिए।

मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने अनुमान लगाया है कि अगर पूरा घरेलू-बाहरी प्रारूप लागू किया जाए तो केवल प्रसारण अधिकारों से ही हजारों करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई हो सकती है। उनका दावा है कि इससे बोर्ड को बड़ा फायदा होगा और टीमों की कमाई भी बढ़ेगी, जिससे उनकी बाजार कीमत अपने आप बढ़ जाएगी।

आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीगों में से एक बन चुकी है और इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में प्रारूप को लेकर उठ रहे सवाल यह संकेत देते हैं कि भविष्य में लीग के ढांचे पर फिर से विचार किया जा सकता है। हालांकि, व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर और खिलाड़ियों के कार्यभार जैसे मुद्दे भी इस फैसले को प्रभावित करते हैं।

कुल मिलाकर यह बहस अब सिर्फ मैचों की संख्या तक सीमित नहीं रही, बल्कि लीग के आर्थिक मॉडल और दीर्घकालिक रणनीति से भी जुड़ गई है। आने वाले समय में इस पर क्या फैसला होता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

राजकुमार राव ने शुरू की गांगुली बायोपिक की शूटिंग

राजकुमार राव ने हाल ही में अपनी फिल्म टोस्टर की अनाउंसमेंट की थी, जो नेटफ्लिक्स पर 15 अपैल को रिलीज होगी। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की। बता दें कि एक्टर 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' फिल्म की शूटिंग की शुरुआत कर चुके हैं, जो पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली पर आधारित होगी। उन्होंने पोस्ट शेयर कर कैप्शन दिया- और अब इसकी शुरुआत हो चुकी है। फिल्म को लव फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है।

बॉलीवुड सेलेब्स ने दी बधाई

पोस्ट शेयर करने के बाद बॉलीवुड सेलेब्स ने भी एक्टर को उनके प्रोजेक्ट के लिए शुभकामनाएं दी हैं। फराह खान, नेहा धूपिया और सचेत टंडन ने पोस्ट पर 'ऑल द बेस्ट' कमेंट किया। वहीं ऋत्विक साहोरे, अपारशक्ति खुराना और ईशा अग्रवाल ने भी एक्टर की पोस्ट पर कमेंट कर बधाई दी।

फिल्म के बारे में

बता दें कि फिल्म को विक्रमादित्य मोटवानी डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली, जिन्हें 'दादा' के नाम से जाना जाता है, उनके जीवन और उनके क्रिकेटिंग करियर पर आधारित होगी। इस मूवी पर काफी समय से काम चल रहा था, और इसके लिए राजकुमार राव ने वजन भी घटाया है। हालांकि अभी तक फिल्म की अन्य कास्ट और इसकी रिलीज डेट को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया है।

15 अप्रैल को रिलीज होगी 'टोस्टर'

राजकुमार राव फिल्म टोस्टर में नजर आने वाले हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म की बाकी कास्ट की बात करें तो इसमें राजकुमार राव के साथ सान्या मल्होत्रा, फराह खान, अभिषेक बनर्जी, अर्चना पूरण सिंह, सीमा पाहवा और जितेंद्र जोशी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विवेक दास चौधरी ने किया है। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कुब्रा सैत ने बताया कैसे हुई 'फर्जी 2' में एंट्री

कुब्रा सैत फिल्मों से लेकर वेब सीरीज तक और बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी तक लगातार काम कर रही हैं। वो कई बड़ी फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रही हैं। अब अभिनेत्री शाहिद कपूर की 'फर्जी 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। शो में कुब्रा से फिर नजर आएंगी। इस बीच अभिनेत्री ने शो को लेकर बात की और बताया कि कैसे उन्होंने 'फर्जी 2' को हां कहा था?

दोनों सीजन के लिए तुरंत कह दिया था हां

बातचीत के दौरान कुब्रा ने बताया कि उन्होंने 'फर्जी 2' के लिए तुरंत हामी भर दी थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं बस इतना कह सकती हूं कि मैंने सीजन एक और सीजन दो के लिए साइन कर लिया था। इसलिए आपको इसे देखना ही होगा, मैं कसम खाती हूं। मेकर्स ने मुझे बताया कि वे सीजन दो के लिए एक किरदार लिख रहे हैं। मैंने कहा, 'ठीक है।' उन्होंने कहा, 'आपको पहले सीजन एक करना होगा।' मैंने कहा, 'ठीक है।' बस बात खत्म और कुछ सोचने की जरूरत नहीं थी।

मैं नहीं लेती कोई दबाव

प्रोजेक्ट पर गर्व जताते हुए कुब्रा ने कहा कि शो जिस तरह से बना है, उस पर मुझे बहुत गर्व है और मैं दूसरे सीजन के लिए बेहद उत्साहित हूं। मुझे बस इस बात की खुशी है कि मुझे मारा नहीं गया। मैंने लोगों को मारा, लेकिन मैं बच गई। मैं सीक्वल फिल्मों और उनसे जुड़ी उम्मीदों को लेकर कोई दबाव नहीं लेती। ये राज और डीके का काम है, सुमन कुमार का काम है और किशोर का काम है। उन्हें करने दीजिए। मैं इन बातों की चिंता नहीं करती।

समय के साथ हुई मजबूत

समय के साथ अपने नजरिए में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि शायद जब मैं छोटी और अनुभवहीन थी, तब मैंने दबाव महसूस किया होगा, जब मुझे लगता था कि पूरी दुनिया मेरे इर्द-गिर्द घूमती है। लेकिन जब आपको पता होता है कि आपने अपना काम ईमानदारी से किया है, तो आप इसे जाने देते हैं। समय के साथ यह विश्वास और भी मजबूत हुआ है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में लोगों को समझने में समय लगता है। जब 'सेक्रेड गेम्स' रिलीज हुई, तब मैं मीडिया के लिए नई नहीं थी। मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती रही। जब मैंने 'रेडी' की शूटिंग की, तब मुझे यह भी नहीं पता था कि पीआर का मतलब क्या होता है? मैंने सचमुच एक रेस्टोरेंट के बाहर लोगों से इंटरव्यू लिया क्योंकि मैं चाहती थी कि लोग मुझे जानें।

राशा थडानी ने बताया क्यों पसंद हैं दक्षिण भारत की फिल्में!

एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को साउथ सिनेमा में डेब्यू करके बेहद खुशी हो रही है। वो अपनी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' से साउथ में कदम रखने जा रही हैं और उन्होंने ये भी बताया है कि उन्हें वहां की क्या अच्छा लगता है।

राशा थडानी की साउथ सिनेमा में एंट्री

फिल्म इंडस्ट्री में अभी सिर्फ एक फिल्म ही कर चुकीं राशा थडानी अब साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। उनकी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' है। हाल ही में, इसी महीने उनके जन्मदिन पर, फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के बिहाइंड द सीन्स का एक वीडियो रिलीज किया, जिसमें राशा थडानी के लुक की झलक मिलती है। फिल्म को मिल रहे रिएक्शन से एक्ट्रेस बेहद खुश हैं और इस नए प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटेड हैं। राशा थडानी ने पिछले साल आमन देवगन के साथ फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया था। इस नए प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित राशा कहती हैं, 'मुझे साउथ सिनेमा देखना बहुत पसंद है, चाहे वो प्रभास सर की फिल्में हों, जूनियर एनटीआर सर की हों, महेश बाबू सर की हों या किसी और की। मुझे उनकी फिल्मों का भव्य अंदाज बहुत अच्छा लगता है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना वाकई बेहद खुशी की बात है।' रश्मिका के बारे में बोलीं राशा 21 साल की राशा आगे कहती हैं कि उनकी फीमेल को-स्टार्स चाहे रश्मिका मंदाना हों या श्रीलीला, सभी बेहद प्रेरणादायक हैं।

राशा थडानी का साउथ में डेब्यू

राशा थडानी इस लव स्टोरी से साउथ सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं, जिसमें महेश बाबू के भतीजे जया कृष्णा घट्टमनेनी भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अजय भूपति कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले फिल्म आरएक्स 100 का निर्देशन किया था। श्रीनिवासा मंगपुरम की आधिकारिक घोषणा नवंबर 2025 में की गई थी।

राशा की फिल्म 'लाइका लाइकी'

अब राशा अपनी दूसरी फिल्म 'लाइका लाइकी' की रिलीज के लिए भी तैयार हैं, जिसमें उनके साथ अभय वर्मा लीड रोल में हैं। फिल्म के पहले पोस्टर इस साल की शुरुआत में जारी किए गए थे और एक्ट्रेस को मिली प्रतिक्रिया से बेहद खुशी है। पोस्टरों के अनोखे फीचर ने कहानी को लेकर फैंस को एक्साइटेड कर दिया है और राशा इस बात से खुश हैं कि दर्शक अभी से फिल्म को लेकर खुश हैं।

फिल्म को लेकर एक्साइटेड हैं राशा

फिल्म के बारे में बात करते हुए राशा कहती हैं, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत बड़ी होने वाली है, और यह पहले से ही है। निर्देशक सौरभ गुप्ता ने 'एनिमल' के डायलॉग लिखे हैं और अभय बहुत खास हैं। यह फिल्म लोगों को चौंका देगी और मुझे उम्मीद है कि यह लोगों की मुझसे अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी।'

ऋषभ शेट्टी की 'छत्रपति शिवाजी महाराज' में विलेन का किरदार निभाएंगे अर्जुन रामपाल

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल इन दिनों चर्चा में हैं। उनकी हालिया फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है और अर्जुन के खलनायक किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया। अब इस सफलता के बाद अर्जुन रामपाल जल्द ही ऋषभ शेट्टी की बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' में मुख्य विलेन के रूप में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में अर्जुन रामपाल एक ताकतवर विरोधी का किरदार निभाएंगे, जो मुख्य नायक यानी ऋषभ शेट्टी के किरदार से टक्कर लेगा। उनके इस रोल को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में पहले से ही उत्साह है। फैंस अर्जुन के नए अवतार के लिए बेहद उत्साहित हैं और उनकी एक्टिंग रेंज को इस रोल में और मजबूत होने की उम्मीद है। छत्रपति शिवाजी महाराज भारतीय इतिहास के महान योद्धा की जीवन गाथा पर आधारित एक महाकाव्य फिल्म है। इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस, रणनीति, नेतृत्व और राष्ट्रप्रेम को दर्शाया जाएगा। फिल्म में शेफाली शाह राजमाता जीजाबाई के किरदार में दिखाई देंगी। प्रोडक्शन इस साल के मध्य में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म तकनीकी दृष्टि से भव्य होगी और इसके सेट, विजुअल इफेक्ट्स और कॉस्ट्यूम डिजाइन को लेकर खास तैयारी की जा रही है।

अर्जुन रामपाल का किरदार

अर्जुन रामपाल ने 'धुरंधर 2' में अपने खलनायक किरदार के लिए खूब सराहना पाई। अब वह एक और बड़े प्रोजेक्ट में विलेन की भूमिका निभाकर दर्शकों को रोमांचित करने वाले हैं। उनकी भूमिका केवल एक विलेन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि फिल्म की थ्रिल और इमोशनल इंटेंसिटी में चार-चांद लगाएगी। सोशल मीडिया पर फैंस ने अर्जुन के इस नए अवतार को लेकर उत्साह व्यक्त किया है। कई लोग मान रहे हैं कि यह किरदार उनकी एक्टिंग कैरियर के लिए महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा। फिल्म जगत के जानकार इसे 2026-27 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक मान रहे हैं। अर्जुन रामपाल की विलेन भूमिका फिल्म को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

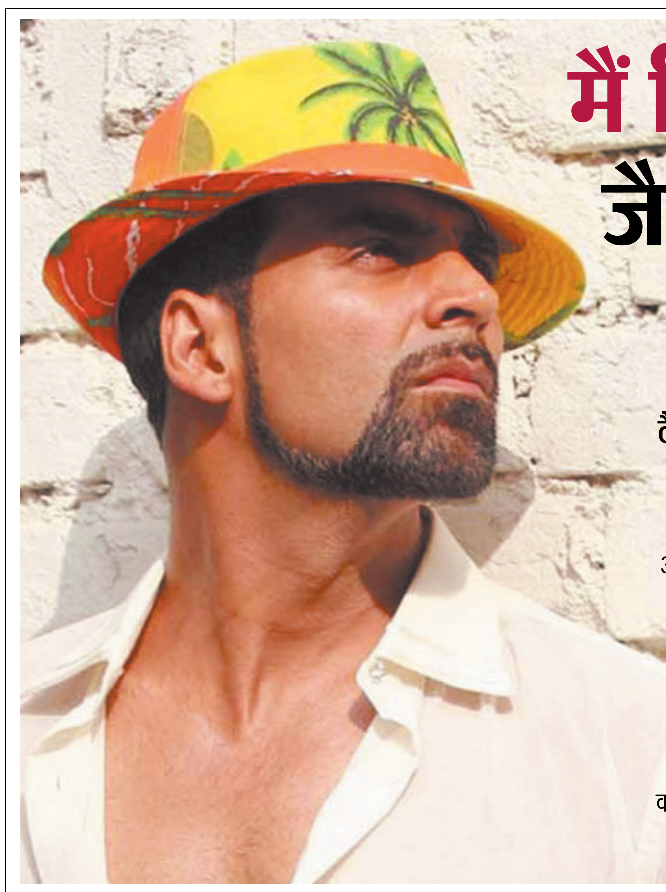

मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं, 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार

अक्षय कुमार ने दो टूक शब्दों में कहा है कि उन्हें रणवीर सिंह की 'धुरंधर' फिल्मों में कोई प्रोपेगेंडा नहीं नजर आया। 'भूत बंगला' की रिलीज की तैयारी कर रहे एक्टर ने बातचीत में यह भी कहा कि यदि उन्हें मौका मिले तो 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार हैं।

अक्षय कुमार तकरीबन 36 साल से इंडस्ट्री में जमे हुए हैं। करीब 4 दशक के इस फिल्मी करियर में शायद ही ऐसा कोई किरदार है, जो अक्षय कुमार से अछूता रहा। एक्शन स्टार से लेकर कॉमिक जॉनर हो, मुद्दे वाली फिल्में हों या फिर देशभक्ति का अलख जगाने वाली फिल्में, अक्षय लगातार अपने क्राफ्ट के साथ एक्सपेरिमेंट्स करते चले गए। इन दिनों वह चर्चा अपनी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वे करीब 15-16 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिर से नजर आने वाले हैं।

किरदारों की बात की जाए, तो आप काफी दुस्साहसी और सिक्योर अभिनेता माने जाते हैं, आप रिस्क और एक्सपेरिमेंट्स से नहीं डरते?

जहां तक सिक्योर अभिनेता होने की बात है, तो मैं असल जिंदगी में भी ट्रैक पैंट और टीशर्ट में रहा हूं। ये अलग बात है कि अब अच्छे-अच्छे कपड़े पहनने मिल जाते हैं। अच्छी-अच्छी जगहों पर घूमने मिल जाता है। जहां तक सिक्योर एक्टर होने की बात है, तो भगवान ने मुझे बहुत कुछ दे दिया और वो भी अपने आप से। काम की बात करूं, तो बहुत सारा काम मेरे पास। जहां तक सिक्योरिटी की बात है, तो मेरे भीतर वो भरी हुई है। आज भी अगर कुछ ऊपर-नीचे हो जाए, तो मैं हैंडल कर लूंगा, क्योंकि मैंने खुद को असुरक्षित कभी नहीं रखा। क्या जरूरत है, रोल के छोटे -बड़े होने पर लड़ने-झगड़ने की? मैंने तो कई ऐसी फिल्में की हैं, जिसमें मेरा बड़ा रोल नहीं है। जैसे 'खाकी' में मैं इंटरवल में मर जाता हूं। मैं खुद को अहमियत देने के बजाय फिल्म को महत्व देता हूं। अब जैसे 'धुरंधर' का ही उदाहरण ले लो, अगर उसमें कोई छोटा रोल भी होता तो मैं कर लेता। मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं।

आप तो हर जॉनर की फिल्म कर चुके हैं, चाहे वो कर्मर्शियल हो, आर्ट या फिर कॉमेडी, मगर इन दिनों जो प्रोपेगेंडा फिल्में बन रही हैं, उसके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

प्रोपेगेंडा फिल्में क्या होती हैं? मुझे नहीं पता। फिल्म अच्छी होती है या बुरी। ये टर्म मेरी समझ से परे है। मुझे 'धुरंधर' बहुत अच्छी लगी। मैंने वो फिल्म देखी। चाहे कोई कुछ भी कहे कि वो प्रोपेगेंडा फिल्म है। मगर मुझे वो फिल्म बहुत अच्छी लगी है।

आपका करियर ग्राफ देखा जाए तो आपने कई नए निर्देशकों के अलावा कई नई नायिकाओं को भी मौका दिया है। इस फिल्म में भी आपके साथ वामिका गब्बी जैसी नई हीरोइन हैं, इसका कोई खास कारण?

क्योंकि पुराने वाले करना नहीं चाहते, वो बहुत बड़े बन गए होते हैं। मैं मजाक कर रहा हूं। मैं नए लोगों के साथ इसलिए काम करता हूं कि एक तो उनमें कुछ नया करने की भूख रहती है। उन्हें भी एक बड़ा मौका मिल रहा होता है। मैं अपने करियर का ग्राफ देखता हूं, तो उसमें जितनी भी हिट फिल्में हैं, ज्यादातर नए लोगों से आई हैं। मैं तकरीबन 24-25 नई हीरोइनों के साथ काम कर चुका हूं। सभी बहुत कमाल की रहीं। मैं ये नहीं कह रहा कि वे हीरोइनें मेरी वजह से बन गईं, मैं मानता हूं कि उन नायिकाओं ने अपना लेडी लक मुझे लाकर दिया है।

इंडस्ट्री का भूत किसे मानते हैं?

भाई, हमारी इंडस्ट्री में कोई भूत-वूत नहीं है। हमारी इंडस्ट्री बढ़िया चल रही है। मुझे 36 साल हो गए, इंडस्ट्री ने काफी कुछ दिया है। ये बहुत ही खुशनुमा जगह है।

आपके साथी कलाकार राजपाल भी पिछले कुछ अरसे से मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, क्या कहना चाहेंगे?

मुझे लगता है कि अच्छा -बुरा दौर तो हर इंसान की जिंदगी में आता है, मगर मैं एक एक्टर के रूप में इतना जरूर कह सकता हूं कि जब सीन में इनका रिस्पॉन्स आता है, तो मैं खुद को अच्छा लगने लगता हूं। इसी एक्शन-रिएक्शन की वजह से होता है ये। ऐसा ही सिलसिला मेरा परेश रावल के साथ भी चलता है। असरानी साहब भी उन्हीं अदाकारों में से थे। ये सभी उस किस्म के अदाकार हैं कि आप एवरेज भी होंगे तो बड़े लगने लग जाते हैं, क्योंकि इनका रिस्पॉन्स इतना कमाल का होता है। ये ऐसे कुछ एक्टर्स हैं, जिनके हाथ में जादू की छड़ी होती है, जो उनके लिए तो काम करती ही है, मगर ये उस छड़ी को दूसरों पर भी फेर देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ब्रह्मोस डिजाइन करने वाले रूसी वैज्ञानिक लियोनोव का निधन

मास्को, एजेंसी। रूस के वरिष्ठ मिसाइल डिजाइनर अलेक्जेंडर लियोनोव का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह हाइपरसोनिक मिसाइल जिरकोन और भारत–रूस की ब्रह्मोस एनजी परियोजना से जुड़े थे। लियोनोव एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनीया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य डिजाइनर थे, जो ब्रह्मोस एयरोस्पेस का रूसी साझेदार है। उनकी मृत्यु का कारण तत्काल स्पष्ट नहीं हुआ है। उन्हें जिरकोन मिसाइल के विकास का श्रेय दिया जाता है, जो ध्वनि की गति से लगभग 9 गुना तेज उड़ान भर सकती है।

ब्रिटेन में श्रद्धालु करेंगे शिक्षापत्री के दर्शन, ऑक्सफोर्ड ने शुरू की यात्रा

लंदन, एजेंसी। स्वामीनारायण संप्रदाय के पवित्र ग्रंथ शिक्षापत्री की रचना के 200 साल पूरे होने पर ब्रिटेन में एक ऐतिहासिक यात्रा शुरू की गई है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की बोडलियन लाइब्रेरी ने पवित्र ग्रंथ के सम्मान में यह पहल की है। इसके तहत, इस पांडुलिपि को संप्रदाय के संतों के सहयोग से देशभर के प्रमुख मंदिरों में ले जाया जाएगा ताकि श्रद्धालु इसका दर्शन कर सकें। गुजरात के वडताल में सहजानंद स्वामी भगवान स्वामीनारायण ने 1826 में शिक्षापत्री की रचना की थी।

तनाव के बावजूद ताइवान के छह हजार छात्रों ने की चीन में पढ़ाई

बीजिंग, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच बढ़ते भू–राजनीतिक तनाव के बावजूद, ताइवानी छात्रों का अपनी पढ़ाई के लिए बीजिंग जाना जारी है। ताइपे टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो वर्षों में ताइवान के 6,000 से अधिक छात्र चीन के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुके हैं। यह स्थिति तब है जब ताइवान के अधिकारी सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए लगातार ऐसी यात्राओं के प्रति चेतावनी जारी कर रहे हैं। छात्रों के इस रुझान ने अब सरकारी सलाह की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चीन ने फ्रांस के नागरिक को दी फांसी, पेरिस ने उठाए सवाल

बीजिंग, एजेंसी। ड्रग्स तस्करी के आरोप में 2010 में मौत की सजा पाए फ्रांसीसी नागरिक चान थाओ फौमी (62) को चीन में फांसी दे दी गई है। चीन ने रविवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उसने राष्ट्रीयता के आधार बचाव पक्ष के साथ कोई भेदभाव नहीं किया। एक दिन पहले, फ्रांस ने मामले के निपटारे की प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसे इस बात का विशेष खेद है कि बचाव पक्ष को अदालत की अंतिम सुनवाई में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी गई।

अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा फोरम में जुटेंगे दुनियाभर के 180 प्रतिनिधि

मॉस्को , एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को में 26 से 29 मई तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा फोरम में इस बार दुनियाभर के 180 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण मंच है, जहां विभिन्न देशों के नेता, सैन्य अधिकारी, नीति निर्माता और विशेषज्ञ वैश्विक शांति एवं सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर मंथन करते हैं। इस फोरम के मुख्य एजेंडे में सुरक्षा मामलों के जिम्मेदार उच्च प्रतिनिधियों की 14वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक के साथ–साथ कई अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल हैं।

ईंधन संकट से निपटने को नेपाल में दो दिन साप्ताहिक अवकाश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने ईरान युद्ध के कारण पैदा हुए ईंधन संकट को देखते हुए सरकारी कर्मचारियों के लिए दो दिन साप्ताहिक अवकाश का एलान किया है। नए फैसले के तहत अब सरकारी दफ्तरों में शनिवार व रविवार को सप्ताहिक अवकाश रहेगा। पहले सिर्फ शनिवार को अवकाश होता था। नेपाल सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि नई कार्य अवधि के तहत सरकारी दफ्तर अब सुबह नौ से शाम पांच बजे तक खुलेंगे लेकिन यह अवधि शैक्षणिक संस्थानों पर लागू नहीं होगी।

अमेरिका और ईरान के बीच 45 दिनों के सीजफायर पर चर्चा, ट्रंप की धमकी के बीच रिपोर्ट में बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण स्थिति के बीच एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दोनों देशों के बीच अस्थायी युद्धविरामकी संभावना को लेकर चर्चा चलने की जानकारी मिली है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थों का एक समूह 45 दिनों के युद्धविराम की शर्तों पर चर्चा कर रहा है, जिससे युद्ध का अस्थायी अंत हो सकता है। यह बातचीत अमेरिका, इजरायली और क्षेत्रीय स्रोतों के हवाले से सामने आई है, जो शांति वार्ता की जानकारी रखते हैं। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, अगले 48 घंटों में इस तरह के समझौते की संभावना कम है, लेकिन यह कहा जा रहा है कि यह प्रयास युद्ध में और नाटकीय वृद्धि को रोकने का एकमात्र मौका हो सकता है।

ईरान को ट्रंप की धमकी और पलटवार : इस बीच, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर ईरान मंगलवार रात 8 बजे (अमेरिकी पूर्वी समयानुसार) तक होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह से खोलने के लिए सहमत नहीं हुआ, तो वह ईरानी बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमले करेगा। ईरान ने इस धमकी का कड़ा जवाब दिया है। ईरानी सेना ने चेतावनी दी है कि अगर उसके नागरिक ठिकानों पर हमला किया जाता है, तो ईरान की तरफ से 'बहुत अधिक विनाशकारी' जवाबी कार्रवाई की जाएगी। खतम अल-अंबिया सैन्य कमान के प्रवक्ता ने कहा, 'यदि नागरिक ठिकानों पर हमले दोहराए जाते हैं, तो हमारे आक्रामक और जवाबी कार्रवाई के अगले चरण बहुत अधिक विनाशकारी और व्यापक होंगे।

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने का असर : होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया के तेल परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, दुनिया की तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा आपूर्ति करता है। इस जलमार्ग का प्रभावी रूप से बंद होना वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, खासकर ऊर्जा कीमतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर। इस प्रकार की स्थिति ने न केवल क्षेत्रीय, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी चिंता बढ़ा दी है, और शांति वार्ता की संभावना का पता लगाया जा रहा है, ताकि युद्ध को और बढ़ने से रोका जा सके।

क्या ट्रंप ने ईरान के लिए समय सीमा बढ़ा दी है : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए समझौता करने या विनाशकारी हमलों का सामना करने के लिए दी गई अपनी स्वयं निर्धारित समय सीमा को 24 घंटे के लिए बढ़ा दिया। उन्होंने पोस्ट में कहा, 'मंगलवार, रात 8:00 बजे पूर्वी समय!

तेहरान प्रांत में अमेरिकी–इस्राइली हमले : ईरान की राजधानी तेहरान प्रांत में अमेरिकी और इस्राइली हमलों के दौरान चार लड़कियों और दो लड़कों समेत छह बच्चों की मौत हो गई। यह जानकारी ईरानी मीडिया एजेंसी फार्स न्यूज ने दी। रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला बहारेस्तान काउंटी के एक रिहायशी इलाके पर हुआ था, जहां पहले हुए हमले में 13 लोगों की मौत की खबर सामने आई थी। इस्राइली सेना ने घोषणा की कि तेहरान में सरकारी ढांचे पर हमलों की एक लहर पूरी कर ली गई है। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी तेहरान में चार और बहारेस्तान काउंटी में 13 लोगों की मौत हुई है।

हाइफा पर ईरानी मिसाइलों से हमला : इस्राइल के उत्तरी शहर हाइफा में ईरानी मिसाइलों का हमला हुआ। चैनल 12 के मुताबिक, शहर के 10 से अधिक स्थानों को निशाना बनाया गया। हालांकि, इस हमले में कोई हताहत नहीं हुए। वीडियो और तस्वीरों में इमारतों और सड़कों को मामूली नुकसान पहुंचा और एक कार में आग लगने की जानकारी सामने आई।

दक्षिण कोरिया भेजेगा विशेष दूत : दक्षिण कोरिया पश्चिम एशिया से कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सऊदी अरब, ओमान और अल्जीरिया में विशेष दूत भेजने की योजना बना रहा है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद आन डो-गेल ने बताया कि तेल आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत पांच कोरियाई ध्वज वाले जहाज सऊदी अरब भेजे जाएंगे। दक्षिण कोरिया अपनी लगभग सभी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर है और यहां से करीब 70 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है।

यूएई की वायु रक्षा मिसाइल और ड्रोन हमलों का कर रही सामना : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा है कि देश की वायु रक्षा प्रणाली हाल ही में आए मिसाइल और ड्रोन खतरे का मुकाबला कर रही है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि आकाश में सुनाई दे रहे आवाज़ें रक्षा प्रणाली द्वारा किए जा रहे इंटरसेप्शन (हमलों को रोकने) के कारण हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि देश अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क है और सभी खतरों का जवाब दे रहा है।

अमेरिका में पुलिस पीछा करने की घटनाओं में आठ मौतें

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका में पिछले एक हफ्ते के अंदर पुलिस द्वारा किए गए हाई-स्पीड पीछा (कार चेज़) के दौरान कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई है। ये घटनाएं टेक्सास, अलबामा और कैलिफोर्निया में हुईं। अलबामा में एक कार पुलिस से बचने की कोशिश में सड़क से उतरकर पेड़ से टकरा गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। बताया गया कि कार में बैठे लोग सीट बेल्ट नहीं लगाए हुए थे, जिससे वे बाहर जा गिरे।

टेक्सास में एक कार बिना हेडलाइट के तेज रफ्तार में भाग रही थी। पुलिस पीछा कर रही थी, तभी कार कई वाहनों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई और चालक की मौत हो गई। कैलिफोर्निया में भी दो अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की जान गई। एक मामले में आरोपी की कार ने एक दंपति को टक्कर मार दी, जो जल्द ही माता-पिता बनने वाले थे। विशेषज्ञों ने ऐसी खतरनाक पीछा करने की घटनाओं को सीमित करने की मांग की है।

ईरान में अमेरिका ने बम से उड़ा दिए अपने ही विमान, पायलट को बचाने में करोड़ों डॉलर का नुकसान

तेहरान, एजेंसी। ईरान में फंसे पायलट को निकालने के लिए अमेरिका को करोड़ों डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने इस अभियान के दौरान अपने ही विमान को उड़ा दिया। पहाड़ों में छिपे अपने कर्नल पायलट को निकालने के लिए अमेरिका ने बेहद जटिल अभियान चलाया था। उधर ईरान ने पायलट को पकड़ने पर इनाम की घोषणा कर दी थी। ऐसे में ईरान की सेना और आम लोग उसके पीछे पड़े हुए थे। अभियान के दौरान दो ब्लॉक हॉक हेलिकॉप्टरों पर ईरान ने हमला कर दिया। वहीं दो ट्रांसपोर्ट विमानों में तकनीकी खामी आ गई। इसके बाद ये विमान उड़ान भरने में सक्षम नहीं थे। इसलिए उन्हें अमेरिकी सेना ने खुद ही नष्ट कर दिया।

क्यों नष्ट करना पड़ गया अपना ही विमान : मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रेतीली जमीन में लैंडिंग या फिर किसी तकनीकी खामी की वह से अमेरिका के लॉकहीड मार्टिन सी-130 विमान उड़ान नहीं भर पा रहे थे। अमेरिका को डर था कि अगर इन विमानों को इसी हालत में छोड़ दिया गया तो विमान के साथ ही ईरान के हाथ कई दुर्लभ और सीक्रेट उपकरण भी लग जाएंगे। इसी को देखते हुए अमेरिकी सेना ने दोनों विमानों को को उड़ा दिया। ईरान ने विमान के बिखरे हुए पार्ट्स का वीडियो साझा करते हुए इसे नष्ट करने का दावा कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन विमानों की कीमत 10 करोड़ डॉलर के आसपास थी।

ओसामा बिन लादेन पर हमले के दौरान भी ऐसा ही हुआ था : इस मलबे में बोइंग एमएच-6 लिटल बर्ड इंजन पाया गया। आम तौर पर इसका इस्तेमाल एमसी-130 जे में किया जाता है। पाकिस्तान के एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान भी ऐसे ही हालात बने थे। इसके बाद अमेरिकी सेना ने अपने ही विमान को उड़ा दिया था। इन विमानों में अमेरिका की खास तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा एडवांस नेविगेशन सिस्टम भी लगा हुआ था। डोनाल्ड ट्रंप ने बताया फिल्म जैसा अभियान सोशल मीडिया पर किए गए दो पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि इस अभियान के दौरान अमेरिका को पूरी तरह चुप रहना पड़ा, ताकि मिशन खतरे में न पड़े। इस दौरान राष्ट्रपति और उनके प्रशासन के शीर्ष अधिकारी लगातार पायलट की लोकेशन पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं था। वाइट हाउस और पेंटागन ने प्रारंभिक दुर्घटना के बाद 24 घंटे से अधिक समय तक लड़ाकू विमान के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी, खासकर पहले पायलट के बचाव अभियान को लेकर। बाद में ट्रंप ने बताया कि ईरान में दिन के उजाले में सात घंटे तक यह अभियान चलाया गया।

भारत की कूटनीति बहुत अच्छी, युद्ध के बीच ईरान ने फिर की तारीफ

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने भारत की कूटनीति की तारीफ की है। सुप्रीम लीडर के भारत में प्रतिनिधि अब्दुल माजिद हकीम इलाही का कहना है कि भारत बड़ी भूमिका निभा सकता है। खास बात है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान को अल्टीमेटम दे दिया है। वहीं, इसके बाद ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध और तेज होने के आसार हैं। हालांकि, ट्रंप का दावा है कि सोमवार को डील हो सकती है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, इलाही ने कहा है, 'भारतीय कूटनीति बहुत अच्छी है और वे इस मुद्दे में अधिक बड़ी भूमिका भी निभा सकते हैं।' उनका बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिका और ईरान को युद्ध के बीच 1 महीने से ज्यादा समय हो गया है।

विदेश नीति की भी हुई थी तारीफ कुछ दिनों पहले ही भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फताली ने कहा, 'भारत निश्चित रूप से तनाव कम करने में एक प्रभावी और सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। ग्लोबल साउथ के एक प्रमुख देश के रूप में और अपनी संतुलित विदेश नीति के कारण, भारत तनाव कम करने और बातचीत को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए एक विशेष स्थान रखता है।' उन्होंने कहा, 'भारत के सभी पक्षों के साथ ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंध हैं, जो इसे गलतफहमियों को कम करने और राजनयिक रास्तों को मजबूत करने में एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाते हैं।' जयशंकर को मिलाया ईरानी विदेश मंत्री ने फोन भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से बात की थी। उन्होंने जानकारी दी, 'ईरान के विदेश मंत्री अराघची का फोन आया। मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई।' जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी से भी रविवार को बात की थी। खबर है कि दोनों के बीच बातचीत में पश्चिम एशिया की स्थिति और एनर्जी सप्लाई का मुद्द उठा था। विदेश मंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से भी फोन पर बातचीत की। ट्रंप की धमकी ट्रंप ने रविवार को ईरान को सात अप्रैल तक का समय देकर कहा है कि अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को नहीं खोला तो वह अब ईरान के बिजली घरों और पुलों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। उन्होंने सात अप्रैल 'मंगलवार' को 'पावर प्लांट डे' और 'ब्रिज डे' घोषित कर दिया है। उन्होंने पोस्ट किया है, ईरान में मंगलवार 'पावर प्लांट डे' और 'ब्रिज डे' होगा, सब कुछ एक साथ। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ होगा। समुद्री रास्ता स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है।

नदी में पहुंची ग्रे व्हेल की मौत, भूख बनी वजह

वॉशिगटन , एजेंसी। अमेरिका के वॉशिगटन में एक ग्रे व्हेल, जो 20 मील अंदर नदी तक पहुंच गई थी, मृत पाई गई। यह व्हेल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई थी, लेकिन अब वैज्ञानिकों का मानना है कि उसकी मौत का कारण भूख हो सकता है। यह व्हेल विलापा नदी में मिली, जो समुद्र से जुड़ी है। विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के वर्षों में ग्रे व्हेल की संख्या घट रही है क्योंकि उन्हें पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा। वैज्ञानिकों का कहना है कि आर्कटिक क्षेत्र में भोजन की कमी के कारण व्हेल नए इलाकों में खाने की तलाश में भटक रही हैं। इसी कारण यह व्हेल भी नदी में आ गई थी। 2025 के आंकड़ों के अनुसार, अब ग्रे व्हेल की संख्या करीब 13,000 रह गई है, जो 1970 के बाद सबसे कम है। कई व्हेल बेहद कमजोर और दुबली पाई जा रही हैं। विशेषज्ञ अब इस मृत व्हेल की जांच करेंगे, ताकि सही कारण का पता लगाया जा सके।

फलस्तीनी प्राधिकरण पर 656 मिलियन डॉलर का जुर्माना बहाल

रामल्लाह, एजेंसी। अमेरिका की एक अपील अदालत ने फलस्तीन मुक्ति संगठन और फिलिस्तीनी प्राधिकरण पर लगाया गया 656 मिलियन डॉलर (करीब 5,400 करोड़ रुपये) का जुर्माना फिर से बहाल कर दिया है। यह मामला उन अमेरिकी नागरिकों से जुड़ा है, जो इस्राइल में हुए आतंकी हमलों में मारे गए या घायल हुए थे। पहले यह फैसला रद्द कर दिया गया था, लेकिन अब अदालत ने दोबारा इसे लागू कर दिया है।

युद्ध से दुबई में पर्यटन पर संकट: 80% तक गिरी कमाई, होटल-रेस्तरां भी सूने

दुबई, एजेंसी। दुनिया के सबसे व्यस्त पर्यटन केंद्रों में शामिल दुबई पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते गहरे संकट से गुजर रहा है। पिछले साल यानी 2025 में 19.59 मिलियन अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का स्वागत करने वाला यह शहर अब खाली होटलों, सूने रेस्तरां और ठप पड़े एयर ट्रैफिक की मार झेल रहा है। पर्यटन उद्योग से जुड़े कारोबारियों के अनुसार, आय में 50% से 80% तक की गिरावट आई है, जबकि होटल ऑक्यूपेंसी कई जगह 15-20% तक सिमट गई है। बीबीसी, बुकिंग प्लेटफार्म वेगो, डाटा एनालिटिक्स कंपनी एयरडीएनए और ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स के अनुसार दुबई के रेस्तरां, जो आमतौर पर पर्यटकों और स्थानीय लोगों की भीड़ से गुलजार रहते थे, अब खाली नजर आ रहे हैं। टाशस हॉस्पिटैलिटी ग्रुप की संस्थापक नताशा साइडेरिस कहती हैं कि देशभर में 14 आउटलेट्स और 1,000 से अधिक कर्मचारियों वाले उनके ग्रुप में राजस्व 50% से अधिक गिर चुका है, जबकि पर्यटकों पर निर्भर आउटलेट्स में यह गिरावट 70% से 80% तक पहुंच गई है। हालात इतने खराब हैं कि कई प्रतिष्ठानों को अपने आधे से ज्यादा कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी पर भेजना पड़ा है।

2.26 लाख से अधिक बुकिंग रद्द : डेटा फर्म एयरडीएनए के अनुसार, युद्ध शुरू होने के पहले महीने (28 फरवरी से 29 मार्च) के दौरान यूएई में 2,26,500 से अधिक शॉर्ट-टर्म बुकिंग रद्द हुई हैं।पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी होटल और शॉर्ट-टर्म अपार्टमेंट सप्लाई अब भारी दबाव में है, क्योंकि मांग अचानक गिर गई है।

प्रवासी कामगारों पर सबसे ज्यादा मार : दुबई के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम करने वाले प्रवासी कामगार इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई कर्मचारियों की नौकरी चली गई है या उन्हें बिना वेतन छुट्टी पर भेज दिया गया है। एक दक्षिण एशियाई वेटर के मुताबिक, यह कोविड-19 जैसा लग रहा है।हमें डर है कि फिर से नौकरी खोकर घर लौटना पड़ सकता है।मानवाधिकार समूहों के अनुसार यूएई में कई प्रवासी पहले से ही कर्ज के बोझ में दबे हैं, जिससे यह संकट उनके लिए और गंभीर हो गया है। क्षेत्रीय स्तर पर अरबों डॉलर का नुकसान संभव ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की इकाई टूरिज्म इकोनॉमिक्स के अनुसार अगर युद्ध लंबा खिंचता है तो मध्य पूर्व में 23 से 38 मिलियन कम पर्यटक आ सकते हैं। इससे 34 अरब डॉलर से 56 अरब डॉलर तक के पर्यटन राजस्व का नुकसान हो सकता है। मामून हमीदेन के अनुसार अगर युद्ध जल्दी खत्म होता है तो रिकवरी संभव है, लेकिन लंबा खिंचने पर पूरे समर सीजन पर सवाल खड़े हो सकते हैं। हवाई यातायात को झटका किराया बढ़ने के भी संकेत युद्ध के कारण वैश्विक विमानन उद्योग की रीढ़ माने जाने वाला गल्फ हब मॉडल को गहरे संकट में डाल दिया है। दुबई, अबू धाबी और दोहा जैसे विश्व के सबसे व्यस्त ट्रांजिट केंद्रों पर उड़ानों में भारी बाधा, ईंधन संकट और यात्रियों की सुरक्षा चिंताओं ने न केवल तत्काल संचालन को प्रभावित किया है, बल्कि लंबे समय में हवाई यात्रा के स्वरूप को भी बदलने की आशंका पैदा कर दी है। बीबीसी और इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के अनुसार दुबई, अबू धाबी और दोहा से सीमित लेकिन नियमित उड़ानें संचालित हो रही हैं।

हालांकि शेड्यूल अभी भी बार-बार बदल रहे हैं और कई रूट्स पर प्रतिबंध जारी हैं। ईंधन आपूर्ति भी पूरी तरह स्थिर नहीं हो पाई है। जेट फ्यूल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर गल्फ कैरियर्स की क्षमता घटती है, तो हवाई किराए बढ़ना तय है। संघर्ष के बाद से सिरियम के विश्लेषकों के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के बाद से मिडिल ईस्ट के लिए 30,000 से अधिक उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं।

टेक्सास में पेट्रोल टैंकर में भीषण आग

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के फोर्ट वर्थ में एक पेट्रोल से भरा टैंकर ट्रक बिजली की तारों से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गया। हादसा रविवार तड़के हुआ, जब ट्रक एक अन्य वाहन से टकराकर सड़क से फिसल गया। टैंकर में करीब 9,000 गैलन पेट्रोल भरा था, जो रिसने लगा। इसी दौरान गिरी हुई बिजली की तारों से चिंगारी निकली और आग लग गई।

ट्रक चालक आग फैलने से रोकने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह बुरी तरह झुलस गया और उसकी हालत गंभीर है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई अन्य व्यक्ति घायल नहीं हुआ। दमकल की टीम ने कई घंटों तक पानी और रेत का इस्तेमाल कर आग पर काबू पाया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com